



विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल इंटर मियामी ने डीसी यूनाइटेड को 4-0 से हराया... @ विचार रूस से डीजल खरीदेंगे ट्रंप, जेलेंस्की हुए आग बबूला... @ व्यापार आत्मनिर्भरता मिशन के चलते दाल उत्पादन ...

खबर झरोखा

इंडिगो फ्लाइट में पावर बैंक में लगी आग, इमरजेंसी लैंडिंग



नई दिल्ली। दिल्ली से चेन्नई जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक यात्री के पावर बैंक में उड़ान के दौरान अचानक आग लग गई। स्थिति को देखते हुए विमान को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर मोड़ना पड़ा, जहां सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। घटना में सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। जानकारी के अनुसार, इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6115 दिल्ली से चेन्नई जा रही थी।

शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को हिरासत में न लें: मेट्रो-इंटरनेट बहाल करें- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली में कांक्रोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान मेट्रो-ट्रेन सेवाएं बंद करने, इंटरनेट बाधित करने और लोगों को हिरासत में लेने से जुड़ी याचिकाओं पर रविवार को सुप्रीम कोर्ट की स्पेशल बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से चलनी चाहिए। इंटरनेट बाधित नहीं होना चाहिए और लोगों की आवाजही नहीं रोकी जानी चाहिए।

नेपाल की बूढ़ी गंडकी नदी में भीषण बाढ़, कई घर और पुल बहे

एजेंसी ■ काठमांडू
नेपाल के पश्चिमी गोरखा जिले में बहने वाली बूढ़ी गंडकी नदी में आई भीषण बाढ़ से कई घर और अन्य ढांचे बह गए हैं। रविवार तड़के ही नेपाल का राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण ने बाढ़ की चेतावनी जारी की थी।

गोरखा जिला प्रशासन कार्यालय के प्रमुख जिला अधिकारी धर्मेश कुमार मिश्रा ने रविवार को बताया कि फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, चीन की सीमा से लगे चुमनुबरी ग्रामीण नगर पालिका क्षेत्र से गुजरने वाली बूढ़ी गंडकी नदी के किनारे बने दर्जनों घर बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने कहा, 'हम बाढ़ से हुए नुकसान की जानकारी जुटा रहे हैं। चुमनुबरी ग्रामीण नगरपालिका के जगत और सल्लेरी गांवों के कुछ घर और 341 मेगावाट बूढ़ी जलविद्युत परियोजना का कैप भी बाढ़ में बह गया है।'

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के



अनुसार, बाढ़ में कई घर, झुला पुल और एक स्टील पुल बह गए हैं। इसके अलावा एक जलविद्युत परियोजना के निर्माण स्थल को भी नुकसान पहुंचा है। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, बाढ़ की वजह लोकपा और चुम्लिंग के बीच हुए भूस्खलन को माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस भूस्खलन से स्यार खोला, जो बूढ़ी गंडकी की एक सहायक नदी है, का प्रवाह रुक गया होगा। हालांकि, इसकी अभी आधिकारिक

पुष्टि नहीं हुई है। बाढ़ का असली कारण और नुकसान का पूरा आकलन फिलहाल सामने नहीं आया है। चुमनुबरी ग्रामीण नगरपालिका की उपाध्यक्ष लक्ष्मी गुरुंग ने स्थानीय समाचार पोर्टल 'ऑनलाइनखबर' से कहा कि बूढ़ी गंडकी की यह बाढ़ काफी हद तक भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ जैसी लग रही है। उन्होंने कहा कि यह बाढ़ भोटेकोशी की बाढ़ की स्थिति बन गई। इसके बाद अजय राय नाराज होकर कार्यालय से बाहर निकल गए।

उनके समर्थकों ने संबंधित महिला नेता को बाहर करने और माफी मांगने की मांग रखी।

यूपी कांग्रेस- पदभार ग्रहण समारोह के दौरान बवाल, समर्थकों में भिड़ंत



एजेंसी ■ लखनऊ
उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में रविवार को नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' और कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद के पदभार ग्रहण

समारोह के दौरान पार्टी के भीतर का विवाद खुलकर सामने आ गया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और आराधना मिश्रा के समर्थकों के बीच कहासुनी के बाद धक्का-मुक्की और

मारपीट की नौबत आ गई। घटना के बाद मुख्यालय में करीब आधे घंटे तक अफरा-तफरी और गहमागहमी का माहौल बना रहा।

जानकारी के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पदभार ग्रहण समारोह के दौरान अजय राय अपने समर्थकों के साथ पहुंचे थे। इसी बीच पार्टी की एक महिला नेता और अजय राय के बीच बातचीत के दौरान विवाद की स्थिति बन गई। इसके बाद अजय राय नाराज होकर कार्यालय से बाहर निकल गए।

उनके समर्थकों ने संबंधित महिला नेता को बाहर करने और माफी मांगने की मांग रखी।

छत्तीसगढ़ के कांग्रेस विधायक दिल्ली रवाना हुए



विपक्षी दलों की योजना इंडिया गेट से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने की है। इसके बाद शाम 4 बजे के बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत से मुलाकात की कोशिश की जाएगी।

एसआईआर और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्तावित मार्च में शामिल होने के लिए प्रदेश के कांग्रेस विधायक और वरिष्ठ नेता रविवार शाम दिल्ली रवाना हुए।

दिल्ली जाने वालों में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत समेत पार्टी के विधायक शामिल हैं। प्रदर्शन से पहले कांग्रेस मुख्यालय में बैठक कर आगे की रणनीति तैयार की जाएगी।

आज का युवा 'विकसित भारत' के विजय की ताकत बनना चाहता है : पीएम मोदी

एजेंसी ■ चेन्नई
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु में जयगोपाल गरोडिया हिंदू विद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज नवरात्रि के प्रथम दिन शिव और शक्ति की पवित्र धरती तमिलनाडु आने का ये सौभाग्य और मां सरस्वती के साधकों से मिलने का ये अवसर मेरे लिए नवरात्रि का अद्भुत शुभारंभ है। उन्होंने कहा कि मेरे युवा साथियों का ये जो उत्साह देख रहा हूँ, ये जो पाजिटिव एनर्जी है, मैं इसे महसूस कर रहा हूँ। मुझे आप सभी के आँखों में भारत का भविष्य दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कहा कि आज का युवा 'विकसित भारत' के विजय की ताकत बनना चाहता है। विकसित भारत के लिए जो नए आइडियाज



चाहिए... जो नए सॉल्यूशन चाहिए... उनसे भारत ही नहीं, विश्व का भविष्य भी तय होगा। आज भारत में जो अनंत अवसर है, मैं चाहता हूँ कि हर युवा अपने भविष्य को उसी बड़े कैनवॉश पर देखें। यह आपका समय है, यह आपका अवसर है। मुझे ये पूरा विश्वास है

कि हमारा ये सपना पूरा होकर रहेगा।

उन्होंने कहा कि आज दुनिया समाधान ढूँढ रही है, और आपमें उन्हें प्रदान करने की क्षमता है। मैं चाहता हूँ कि हर युवा भारत द्वारा प्रदत्त अनंत अवसरों के विशाल परिदृश्य में खुद को देखे क्योंकि

यही आपका समय है। यही आपका अवसर है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह सपना साकार होगा। साथ मिलकर, हम इसे कर दिखाएंगे! उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू विद्या केंद्र अपना गोल्डन जुबली मना रहा है। ये माइलस्टोन जितना बड़ा है, इसकी यात्रा भी उतनी ही इस्पायरिंग है। मैं इस अवसर पर जयगोपाल गरोडिया जी के योगदान को भी मैं आदरपूर्वक याद करता हूँ। उन्होंने विद्यालय के भवन निर्माण में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। आज मैं उन सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, अभिभावकों और पूर्व विद्यार्थियों का भी अभिनंदन करता हूँ, जिन्होंने हिंदू विद्यालय की यात्रा को सफल बनाया है। उन्होंने कहा कि एक छोटे से विद्यालय के रूप में इस संस्थान की शुरूआत हुई थी। उस समय इसमें केवल 7 छात्र थे।

अभिषेक बनर्जी को पुलिस ने फिर भेजा नोटिस



कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी को रविवार को नया नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया है। यह मामला 27 अगस्त को मध्य कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित उनके कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं, पुलिसकर्मियों और कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के कर्मचारियों के बीच हुई झड़प से जुड़ा है।

केएमसी के कर्मचारी पुलिसकर्मियों के साथ अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में कथित अवैध होर्डिंग हटाने पहुंचे थे। इस दौरान विवाद और झड़प की स्थिति पैदा हो गई थी।

छग में पूर्व अग्निवीरों के लिए 36 पद मंजूर

'आदिम जाति विकास विभाग' का नाम बदलकर 'जनजातीय कार्य विभाग' करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी

संवाददाता ■ रायपुर
छत्तीसगढ़ कैबिनेट ने पूर्व अग्निवीरों के लिए गृह विभाग में आरक्षक के 36 पदों पर भर्ती की मंजूरी दी है। इन पदों पर खाली जगहों के हिसाब से भर्ती की जाएगी। राज्य सरकार पहले ही पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षक भर्ती में 10 प्रतिशत श्रेणीवार आरक्षण देने का प्रावधान कर चुकी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में रविवार को हुई कैबिनेट बैठक में 'आदिम जाति विकास विभाग' का नाम बदलकर 'जनजातीय कार्य विभाग' करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। इसके लिए छत्तीसगढ़ शासन के कार्य आवंतन नियम में बदलाव किया जाएगा। वहीं, कैबिनेट बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी के



सरकार के मुखिया के रूप में 25 साल पूरे होने पर अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया गया। कैबिनेट की बैठक के बाद सीएम साय ने मीडिया से बातचीत की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नक्सलवाद प्रदेश के विकास में बड़ी बाधा बन गया था। एक समय ऐसा लगता था कि इसका अंत हो भी पाएगा या नहीं। बस्तर के भोले-भाले लोग कहीं

लंबे समय तक विकास से दूर न रह जाएं, ऐसी चिंता बनी रहती थी।

नरेंद्र मोदी सरकार आने के बाद इस दिशा में बदलाव आया है। नक्सलवाद के खिलाफ लगातार कार्रवाई हुई और अब छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्ति की ओर बढ़ा है। उन्होंने इसे प्रदेश के विकास के लिए बड़ी उपलब्धि बताया।

सीएम साय ने गिनाई पीएम मोदी की उपलब्धियां
साय ने कहा कि नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर लगातार 13 साल तक काम कर चुके हैं। इस दौरान गुजरात में विकास का एक मॉडल तैयार हुआ, जिसे 'गुजरात मॉडल' के नाम से पहचान मिली। कई राज्यों ने भी इसे अपनाया। उन्होंने कहा कि कच्छ में आए भीषण भूकंप से पूरा इलाका तबाह हो गया था, लेकिन नरेंद्र मोदी ने अपनी मेहनत और दूरदृष्टि से उसे फिर से विकसित करने का काम किया। गुजरात में वाइब्रेंट गुजरात जैसे आयोजन भी शुरू किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी 2014 से देश के प्रधानमंत्री हैं। उनके नेतृत्व में भारत लगातार आगे बढ़ रहा है। साय के मुताबिक, 2014 से पहले भारत दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में दसवें स्थान पर था, जबकि अब चौथे स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने इसका श्रेय प्रधानमंत्री की मेहनत और दूरदृष्टि को दिया।

2047 तक विकसित देश बनाने का लक्ष्य: सीएम साय
साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित देश बनाना और अर्थव्यवस्था के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंचाना है। इसी लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में देश आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने सशक्त भारत का जिक्र करते हुए कहा कि 2014 से पहले पाकिस्तान की ओर से बार-बार उकसाने वाली घटनाएं होती थीं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हरलीन देओल ने हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों से की मुलाकात

मेहनत और आत्मविश्वास का दिया मंत्र

विश्व केसरी■

रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी हरलीन देओल ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग की रायपुर आवासीय हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सभी खिलाड़ियों से आत्मीय संवाद किया और अपने खेल जीवन के अनुभव साझा किए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाली खिलाड़ी से मिलकर अकादमी के बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की पहल पर हरलीन देओल हॉकी अकादमी आई थीं। राज्य के युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त करने वाली खिलाड़ी के अनुभवों से परिचित कराने तथा उन्हें अपने खेल जीवन में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करने हरलीन अकादमी पहुंची थीं।



खिलाड़ियों को दिया सफलता का मंत्र

हरलीन देओल ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अकादमी में उपलब्ध खेल सुविधाओं, प्रशिक्षण और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने बच्चों को बड़े लक्ष्य

निर्धारित करने, अनुशासन के साथ नियमित अभ्यास करने और भारतीय टीम का हिस्सा बनकर देश के लिए खेलने का सपना देखने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा, ‘आप मेहनत कीजिए, अपने लक्ष्य के लिए पूरी लगन से प्रयास कीजिए। भगवान भी आपकी मदद करेंगे। अपने ऊपर विश्वास रखिए और देश के लिए खेलने का सपना जरूर देखिए। अपने खेल जीवन के अनुभव साझा करते हुए हरलीन देओल ने बताया कि सफलता प्राप्त करने के लिए प्रतिभा के साथ कड़ी मेहनत, धैर्य, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। मजबूती, टीम भावना और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता महत्वपूर्ण को पहचानने, उनमें सुधार करने और हर

दिन पहले से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

मैंटर के रूप में हरलीन देओल के अनुभवों से मिली सीख

एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी से सीधे संवाद करने का अवसर युवा खिलाड़ियों के लिए विशेष महत्व रखता है। हरलीन देओल के अनुभवों से खिलाड़ियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, दबाव की परिस्थितियों में आत्मविश्वास बनाए रखने, असफलताओं से सीखने और निरंतर अपने प्रदर्शन में सुधार करने की प्रेरणा मिली। क्रिकेट और हॉकी अलग-अलग खेल हैं, लेकिन दोनों में सफलता के लिए अनुशासन, फिटनेस, मानसिक मजबूती, टीम भावना और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता महत्वपूर्ण है।

रायपुर में झारखंड, बस्तर में एमपी की शराब बरामद



विश्व केसरी■

रायपुर/जगदलपुर। बस्तर में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जगदलपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर ग्राम सोनारपाल के पास जांच के दौरान मध्यप्रदेश में बिक्री के लिए निर्धारित गोवा ब्रांड की विदेशी शराब की 20 पेटियां जब्त की गई हैं। इस कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दूसरा आरोपी फरार बताया जा रहा है।

दरअसल, आबकारी विभाग के जगदलपुर वृत्त की टीम ने कार्रवाई करते हुए टाटा एरिया वाहन से 180 लीटर विदेशी

शराब बरामद की है। जब्त शराब की कीमत करीब 1 लाख 28 हजार रुपये बताई गई है। वहीं शराब परिवहन में इस्तेमाल वाहन की कीमत करीब 7 लाख रुपये आंकी गई है। इस तरह शराब और वाहन सहित कुल 8 लाख 28 हजार रुपये का सामान जब्त किया गया है। मामले में दुर्गा जिले के सुपेला, शास्त्री नगर निवासी 33 वर्षीय देवेंद्र कुमार जांगड़े को आरोपी बनाया गया है। वहीं, जोगेन्द्र कश्यप उर्फ जोगी फरार है। आबकारी अधिनियम 1915 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रायपुर में ओमेगा मेडिसिन अस्पताल की अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहल, कैंसर उपचार केंद्र का हुआ भूमिपूजन

विश्व केसरी■

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ तेजी से मध्य भारत के एक बड़े मेडिकल हब के रूप में विकसित हो रहा है। राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार के साथ अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक, सुपर स्पेशलिटी सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक नागरिक को बेहतर, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं अपने प्रदेश में ही उपलब्ध हों तथा आर्थिक अभाव किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति के उपचार में बाधा न बने।

मुख्यमंत्री साय राजधानी रायपुर में ओमेगा मेडिसिन अस्पताल की अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहल एवं कैंसर उपचार केंद्र के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन और ओमेगा



युप की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के उपचार के लिए आधुनिक सुविधाओं का विस्तार प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज के साथ पूरा

परिवार कठिन दौर से गुजरता है। यदि उपचार के लिए दूसरे राज्य जाना पड़े तो परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ने के साथ अनेक व्यावहारिक कठिनाइयां भी आती हैं। हमारी कोशिश है कि छत्तीसगढ़ के लोगों को गंभीर से गंभीर बीमारी के उपचार के लिए प्रदेश से बाहर जाने की आवश्यकता

न्यूनतम हो और उन्हें अपने परिवार के बीच रहते हुए विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने कहा कि ओमेगा अस्पताल का प्रस्तावित ऑन्कोलॉजी सेंटर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। विशेषज्ञ डायाग्नोसिस यूनिट, आधुनिक पैथोलॉजी चिकित्सकों और आधुनिक चिकित्सा तकनीक की उपलब्धता से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि आसपास के राज्यों के मरीजों को भी बेहतर कैंसर उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार स्वस्थ छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को केवल बड़े शहरों तक सीमित रखने के बजाय गांव, गरीब और सुदूर जनजातीय अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों तथा मेडिकल कॉलेजों तक स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। जिला अस्पतालों में आईसीयू, डायाग्नोसिस यूनिट, आधुनिक पैथोलॉजी और अन्य आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि सामान्य जांच और उपचार के लिए मरीजों को मरीजों को भी बेहतर कैंसर उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार स्वस्थ छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को केवल बड़े शहरों तक सीमित रखने के बजाय गांव, गरीब और सुदूर जनजातीय अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

प्रदेश के 31 हजार गन्ना किसानों को मिलेगा 51.09 करोड़ रुपए का बोनस

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश के गन्ना किसानों को नवरात्रि से पहले बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने गन्ना बोनस की गणना का आधार 355 रुपये से बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। इस निर्णय से पेराई सत्र 2025-26 में प्रदेश के चारों सहकारी शक्कर कारखानों को गन्ना आपूर्ति करने वाले 31,022 किसानों को लगभग 51.09 करोड़ रुपये की बोनस राशि प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने इस अवसर पर प्रदेश के गन्ना किसानों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सहकारिता मंत्री कश्यप ने कहा कि गन्ना बोनस में बढ़ोतरी से किसानों को उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति

मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनकी आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। बोनस की बढ़ी हुई राशि से किसानों को खेती की लागत वहन करने और आगामी फसल की बेहतर तैयारी में मदद मिलेगी।

यह निर्णय प्रदेश में गन्ना उत्पादन को प्रोत्साहित करने के साथ सहकारी शक्कर कारखानों से जुड़े किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करेगा।

पेराई सत्र 2025-26 के लिए बोनस गणना में एफआरपी 329.05 रुपये प्रति क्विंटल का आधार लिया गया है। नई व्यवस्था अनुसार 425 रुपये में से एफआरपी घटाने पर किसानों को 95.95 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बोनस मिलेगा।

रेलवे सुरक्षा बल का 42वां स्थापना दिवस समारोह आज

विश्व केसरी■

रायपुर। भारतीय रेल में यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे संपत्ति की रक्षा तथा सुरक्षित रेल परिचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) का 42वां स्थापना दिवस समारोह 12 अक्टूबर 2026 को रेलवे वर्कशॉप ग्राउंड, रायपुर में गरियामय एवं भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर आयोजित होने वाली समारोह परेड में आरपीएफ के अनुशासन, साहस, समर्पण और परिचालन क्षमता का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही, आधुनिक सुरक्षा तकनीकों पर आधारित प्रदर्शनों के माध्यम से रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए किए जा रहे तकनीकी नवाचारों और डिजिटल पहलों को प्रदर्शित

किया जाएगा।

समारोह में आरपीएफ की महानिदेशक सुश्री सोनाली मिश्रा, आईपीएस, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश, आरपीएफ के महानिरीक्षक श्री मुनावर खुशीद तथा छत्तीसगढ़ प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

भव्य परेड में दिखेगा आरपीएफ का अनुशासन और परिचालन कौशल स्थापना दिवस समारोह का प्रमुख आकर्षण भव्य परेड होगी, जिसमें आरपीएफ के विभिन्न दस्ते अपनी अनुशासनबद्ध कार्यशैली, प्रशिक्षण, तत्परता और परिचालन दक्षता का प्रदर्शन करेंगे। परेड में महिला दस्ता, कमांडो रैपिड एक्शन टीम (कोरास-

ष्ट्रह्रस्), डॉग स्क्वाड तथा सेगवे दस्ता शामिल होंगे। इन दस्तों की सहभागिता रेलवे सुरक्षा बल की विविध परिचालन क्षमताओं, विशेष सुरक्षा अभियानों, प्रशिक्षित श्वानों की सहायता से सुरक्षा व्यवस्था तथा आधुनिक उपकरणों के माध्यम से गश्त करने की दक्षता को प्रदर्शित करेगी। महिला दस्ते की भागीदारी बल में महिला कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करेगी, जबकि कोरास कमांडो दस्ता विशेष परिस्थितियों में प्रभावी कार्रवाई के लिए आरपीएफ की परिचालन तैयारियों को प्रदर्शित करेगा।

परेड के माध्यम से उन आरपीएफ कर्मियों के समर्पण, सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा को भी रेखांकित किया जाएगा, जो रेल

यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे संपत्ति की रक्षा, अपराधों की रोधधाम तथा सुरक्षित रेल यात्रा का वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्यरत हैं।

उत्कृष्ट सेवा के लिए अधिकारियों एवं जवानों को प्रतिष्ठित पदकों से सम्मानित किया जाएगा समारोह के दौरान आरपीएफ के अधिकारियों एवं जवानों को उनकी विशिष्ट सेवाओं, सराहनीय कार्यों और उत्कृष्ट योगदान के लिए। इनमें विशिष्ट सेवा के लिए 3 राष्ट्रपति पुलिस पदक, सराहनीय सेवा के लिए 30 पुलिस पदक तथा वर्ष 2024 में एक रेल यात्री का जीवन बचाने के लिए एक जीवन रक्षा पदक शामिल हैं।

विश्व केसरी■

रायपुर। बरसात के बाद सड़कों, पुल-पुलियों और भवनों के निर्माण को रफ्तार देने की पूरी तैयारी है। लोक निर्माण विभाग ने निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने के साथ गुणवत्ता और समय-सीमा पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। काम की प्रगति अब केवल दफ्तरों की रिपोर्ट तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वरिष्ठ अधिकारी खुद मैदान में उतरकर निर्माण की वास्तविक स्थिति परखेंगे। कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के साथ औचक निरीक्षण से भी गुणवत्ता और प्रगति पर नजर रखी जाएगी। इसी कड़ी में लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने गरियाबंद जिले का दौरा कर सड़कों, पुलों और

भवनों के निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। अधिकारियों और ठेकेदारों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्माण में आ रही बाधाओं की जानकारी ली और कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

सचिव बंसल ने गरियाबंद जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर निर्माणधीन परियोजनाओं की जमीनी स्थिति देखी। उन्होंने फिंगरवर विकासखंड में कोपरा-पोखरा मार्ग के 26.20 किलोमीटर लंबे मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस परियोजना में पुल-पुलियों के निर्माण कार्य भी शामिल हैं। उन्होंने राजिम में

नवीन मेला स्थल चौबेबांधा से लक्ष्मण झूला तक 3.50 किलोमीटर लंबे फोरलेन मार्ग के निर्माण की प्रगति भी देखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कार्यों की स्थिति की जानकारी ली और निर्माण में गुणवत्ता तथा समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

सड़क परियोजनाओं के साथ सचिव बंसल ने गरियाबंद में निर्माणधीन शासकीय भवनों का भी जायजा लिया। उन्होंने व्यवहार न्यायालय में न्यायिक अधिकारियों के लिए बनाए जा रहे दो डी-टाइप आवासगृहों, जिला परिवहन कार्यालय भवन तथा 40 जीएडी आवासगृहों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

पड़ोसी ने की थी बुजुर्ग दंपती की हत्या

विश्व केसरी■

रायपुर। आरंग, थाना आरंग अंतर्गत ग्राम बिरबिरा में बीते गुरुवार को हुए बुजुर्ग दंपति की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा ली है। इस मामले में पुलिस ने मृतक दंपति के पड़ोसी आरोपी युवक को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है।

ज्ञात हो कि दिनांक 08.10.2026 को ग्राम बिरबिरा सरपंच चम्मन लाल साहू ने थाना आकर सूचना दी कि गांव के सदाशी साहू और पत्नी आसबती साहू की किसी अज्ञात व्यक्ति ने घर में घुसकर धारदार हथियार से हत्या कर दी है। सूचना पर आरंग थाना टीम, फॉरेंसिक, डॉग स्क्वाड के साथ मौके पर पहुंची। मृतकों के शव अलग-अलग कमरों में खून से लथपथ मिले। इस पर थाना आरंग में अप.क्र. 481/2026 धारा 103(1), 331(7) BNS कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान गांव के ही



संदेही प्रमोद उर्फ रॉकी पिता सुशील साहू उम्र 22 वर्ष साकिन बिरबिरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

आरोपी ने बताया कि एक वर्ष पूर्व उसकी मां की मृत्यु हुई थी, उसे शंका थी कि मृतक दंपति सदाशी और आसबती ने जादू-टोना कर उसकी मां को मारा है। इसी रंजिश को मन में पाल रहा था और इस बात की चर्चा वो गांव में करता रहता था। इसके साथ ही मृतकों के पास अधिक जमीन और मृत्तिका के हमेशा सोने-चांदी के जेवर पहने

रहने की जानकारी उसे पहले से थी जो कि हत्या के बाद उसने लूट लिया। जिसके आधार पर दर्ज अपराध में धारा 109(6) BNS और छ ग टोनही प्रताड़ना अधि की धारा 4,5 जोड़ी गई है।

आरोपी ने बताया कि 06.10.2026 की रात 11.30 बजे घर वाले सो गए तो वह टंगिया और हंसिया लेकर अपने मकान की छत से प्रहलाद साहू की छत पर कर सदाशी के मकान की छत से नीचे उतरा। पहले कमरे में सो रहे सदाशी के सिर पर टंगिया से वार कर हत्या कर दी, फिर दूसरे कमरे में सो रही आसबती के सिर, गले पर टंगिया सेवार और हंसिया से सीने-पेट पर वार कर निर्मम हत्या कर दी। हत्या के बाद मृत्तिका के पहने चांदी का कमरबंध, ऐंठी, माला, सोने की खिन्वा और घर में रखी अंगूठी, बिछिया, सिक्के लूट लिए। खून लगे हथियारों को नाली में धोकर सफेद बोरी में भरकर तामासिवनी रोड किनारे झाड़ी में छुपा दिया।

अग्रसेन भवन एवं धर्मशाला के लिए एक-एक एकड़ भूमि देने के संकल्प

विश्व केसरी■

रायपुर। महाराजा अग्रसे की 138वीं जयंती के पावन अवसर पर अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में धर्मवीर बंसंत अग्रवाल जी मुख्य अतिथि के रूप में पिथौरा पहुंचे। उनके आगमन पर अग्रवाल समाज के सदस्यों, युवाओं एवं वरिष्ठजनों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उनके वाहन से उतरते ही जय श्रीराम के जयघोष से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। इसके पश्चात बाइक रैली के माध्यम से उनका भव्य स्वागत करते हुए कार्यक्रम स्थल तक ले जाया गया।

अग्रसेन भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान धर्मवीर बंसंत अग्रवाल जी ने समाज की एकजुटता, धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण तथा समाजसेवा के महत्व पर अपने विचार रखे। उन्होंने युवाओं को धर्म, संस्कृति और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक होकर समाज के विकास में



सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उनके विचारों से उपस्थित समाजजनों एवं युवाओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ।

अग्रसेन भवन एवं धर्मशाला के लिए भूमि दान की पहल

कार्यक्रम के दौरान अग्रसेन भवन एवं अग्रवाल धर्मशाला के निर्माण हेतु एक एकड़ भूमि दान करने की घोषणा की गई। इस पहल से प्रेरित होकर आनंद अग्रवाल जी ने भी एक एकड़ भूमि देने का संकल्प व्यक्त किया। वहीं, अग्रवाल सभा पिथौरा के पूर्व

अध्यक्ष एवं अरविंद हाईवेयर से जुड़े अनुप अग्रवाल जी ने 05 लाख रुपये की सहयोग राशि देने का वादा किया।

भूमि एवं आर्थिक सहयोग से जुड़े इन संकल्पों को समाज के संगठनात्मक विकास और भविष्य में सामाजिक गतिविधियों के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। इन घोषणाओं से समाजजनों में हर्ष का माहौल रहा।

जयंती प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि धर्मवीर बंसंत अग्रवाल जी द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रतिभागियों की प्रतिभा, मेहनत और सहभागिता का सम्मान किया गया। पुरस्कार वितरण से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन हुआ।

‘दोहरे मानदंड से विश्वसनीयता घट रही’, दिल्ली में प्रदर्शन पर ओएचसीएचआर की ‘चिंता’

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (ओएचसीएचआर) की टिप्पणियों को खारिज करते हुए रविवार को एक वीडियो संदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली प्रदर्शन को लेकर संस्था का रवैया दोहरे मानदंड को दर्शाता है। उन्होंने आधिकारिक हैंडल से ये वीडियो पोस्ट किया। जायसवाल ने कहा, ‘हमने कल नई दिल्ली में हुई घटनाओं के बारे में मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की कुछ टिप्पणियां देखी हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां शांतिपूर्ण सभा के अधिकार की गारंटी संविधान देता है और इसकी रक्षा मजबूत है और इसकी रक्षा मजबूत संस्थाओं, स्वतंत्र न्यायपालिका और स्वतंत्र मीडिया द्वारा की जाती



हैं। ‘एमईए प्रवक्ता ने लोकतांत्रिक देश की कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए आगे कहा, ‘हर लोकतांत्रिक देश की तरह, भारत में भी नागरिक इस अधिकार का

मामलों में बेहद चुनिंदा रवैया है। ‘पाकिस्तान का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा, ‘हमारे पड़ोस में प्रदर्शनों पर हिंसक प्रतिक्रियाओं पर वह चुप रहा है, जैसे कि अपने आसपास की पुलिसिया कार्रवाइयों पर भी। इस तरह के दोहरे मानदंड केवल उसकी विश्वसनीयता को कम करते हैं और बहुपक्षवाद में विश्वास की कमी में योगदान करते हैं। ‘बता दें कि शनिवार को नई दिल्ली में शनिवार को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने नई दिल्ली में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने पर चिंता जताई थी, जिस पर तुरंत भारत ने एक्स पोस्ट पर अपना जवाब पोस्ट किया था और इसे देश के आंतरिक मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप बताया था। रविवार सुबह भी एमईए ने बयान जारी कर आपत्ति दर्ज कराई थी।

अमेरिकी-इजरायली हमलों से पैदा हुआ गंभीर पर्यावरणीय संकट

विश्व केसरी■
तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने रविवार को कहा कि 40 दिन तक चले युद्ध के दौरान अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के तेल, रिफाइनरी और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर किए गए हमलों से गंभीर पर्यावरणीय खतरे पैदा हो गए हैं।



ईरानी विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, तेहरान में आयोजित ‘इकोसाइड, ए साइलेंट वॉर क्राइम’ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अराघची ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने भी इसकी पुष्टि की है कि इन हमलों के बाद लगी आग और हाइड्रोकार्बन पदार्थों के जलने से खतरनाक रासायनिक तत्व वातावरण में फैल गए। उन्होंने कहा कि ये प्रदूषक हवा के जरिए मिट्टी और पानी तक पहुंच सकते हैं और यहां तक कि खाद्य श्रृंखला में भी प्रवेश कर सकते हैं।

उनका असर हमले के समय और स्थान से कहीं अधिक समय तक बना रह सकता है। अराघची ने गाजा और लेबनान में सैन्य हमलों से पर्यावरण को हुए गंभीर और लंबे समय तक रहने वाले नुकसान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ईरान का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून को युद्ध के दौरान पर्यावरण और मानवाधिकारों को होने वाले नुकसान को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका तुरंत ईरान में अपनी सैन्य भागीदारी समाप्त कर सकता है, लेकिन वह ऐसा तब तक नहीं करेगा जब तक यह सुनिश्चित नहीं हो जाता कि तेहरान भविष्य में कभी परमाणु हथियार हासिल नहीं करेगा। साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि सात महीने से चल रहा संघर्ष जल्द समाप्त हो सकता है। टेनेसी में एक चुनावी रैली से लौटने के बाद जॉर्ड बेस एंड्रयूज ने पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, ‘हम अभी वहां से निकल सकते हैं।

कजाकिस्तान में सैन्य अभ्यास, आतंकियों की खोज, विनाश व घेराबंदी का मिशन पूरा

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारत और कजाकिस्तान का संयुक्त सैन्य अभ्यास ‘काजिद-2026’ रविवार को कजाकिस्तान के ओस्केमेन में अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया। अभ्यास के दौरान आतंकवादी गतिविधियों की स्थिति से निपटने के लिए कई तरह के अभियान किए गए। इनमें आतंकियों ठिकानों पर छापेमारी, खोज और विनाश अभियान, घेराबंदी और तलाशी अभियान शामिल रहा। यह अभ्यास 28 सितंबर से हुआ था और 11 अक्टूबर तक जारी रहा। सैन्य अभ्यास ‘काजिद-2026’ का मुख्य फोकस संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभियान रहा। दोनों देशों की सेनाओं को यहां अर्ध-शहरी और पहाड़ी इलाकों को ध्यान में रखकर प्रशिक्षण दिया



गया। दोनों देशों जवानों ने मिलकर यहां अभियान की योजना बनाई और उसे जमीन पर लागू किया। वहीं हवाई आवागमन पर भी खास ध्यान रहा। सेना के मुताबिक यह काजिद अभ्यास का नौवां संस्करण था। यहां पहुंचे भारतीय दल में मुख्य रूप से गढ़वाल राइफल्स की एक बटालियन के जवान शामिल थे। इनके साथ अन्य सैन्य शाखाओं

सरकार ने जारी किया ड्राफ्ट स्टील पॉलिसी रोडमैप, 2047 तक 604 मिलियन टन स्टील क्षमता का लक्ष्य

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। सरकार ने ड्राफ्ट नेशनल स्टील पॉलिसी 2047 जारी की है, जिसमें भारत की कच्चे स्टील (क्रूड स्टील) उत्पादन क्षमता को मौजूदा लगभग 220 मिलियन टन से बढ़ाकर 2047 तक 604 मिलियन टन करने का लक्ष्य रखा गया है। नई नीति में स्टील क्षेत्र से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए लौह अयस्क तथा कोकिंग कोल की उपलब्धता बढ़ाने का रोडमैप तैयार किया गया है। स्टील उत्पादन लागत में इन कच्चे माल की हिस्सेदारी 65 से 70 प्रतिशत तक होती है। भारत लौह अयस्क के मामले में काफी हद तक आत्मनिर्भर है, लेकिन कोकिंग कोल की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ड्राफ्ट नीति के अनुसार, स्टील क्षेत्र में औसत कार्बन उत्सर्जन तीव्रता को मौजूदा 2.54 टन कार्बन डाइऑक्साइड प्रति टन क्रूड



स्टील से घटाकर 2047 तक 1.54 टन करने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य भारत के 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन के उद्देश्य के अनुरूप है। नीति में अनुमान लगाया गया है कि 2047 तक फिनिशड स्टील की मांग बढ़कर 505 मिलियन टन हो जाएगी, जबकि प्रति व्यक्ति स्टील खपत बढ़कर 302 किलोग्राम तक पहुंच सकती है। उत्पादन क्षमता में वृद्धि से स्टील निर्यात में भी 45 मिलियन टन की बढ़ोतरी होने की संभावना है। लौह अयस्क की मांग 2025 के 299 मिलियन टन से बढ़कर 2047 तक 772 मिलियन टन होने का अनुमान है। इसे देखते हुए सरकार ने विदेशी खदानों और संयुक्त

उपक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले लौह अयस्क भंडार सुरक्षित करने के साथ घरेलू आपूर्ति और परिवहन अवसंरचना को मजबूत करने का प्रस्ताव रखा है। नीति में स्लरी पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार करने पर भी जोर दिया गया है। इन पाइपलाइनों के माध्यम से लौह अयस्क को पानी के मिश्रण के रूप में घरेलू खनन बढ़ाने, जिससे सड़क और रेल परिवहन पर निर्भरता कम करने तथा लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ाने में मदद मिलती है। वहीं, कोकिंग कोल की मांग के 236 मिलियन टन तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। चूंकि भारत अपनी 92 प्रतिशत कोकिंग कोल जरूरत आयात के जरिए पूरी करता है, इसलिए नीति में घरेलू खनन बढ़ाने, कोल वॉशरी का विस्तार करने, दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते करने और एआई की मदद से कोयले के बेहतर मिश्रण तैयार करने पर जोर दिया गया है।

तकनीकी शिक्षा में भर्ती नियमों को मंजूरी; महिला हेल्पलाइन के लिए 20 पद सृजित होंगे

विश्व केसरी■
इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू की अध्यक्षता में रविवार को हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में तकनीकी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, महिलाओं की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई अहम फैसलों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने सरकारी इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए एक समान नियमों को मंजूरी देने के साथ ही महिला हेल्पलाइन-181 के संचालन के लिए 20 पदों के सृजन को भी स्वीकृति दी। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कैबिनेट ने सरकारी इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में



शिक्षण एवं तकनीकी पदों की भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और योग्यता आधारित बनाने के लिए भर्ती नियमों को मंजूरी दी है। कैबिनेट ने सरकारी इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में 12 श्रेणियों के पदों के लिए भर्ती नियमों को मंजूरी दी। ये नियम अखिल भारतीय तकनीकी

मानकों के अनुरूप भर्ती नियम लागू होने से इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों की संस्थागत व्यवस्था भी मजबूत होगी। साथ ही, विभिन्न पदों पर नियुक्तियां निर्धारित मानकों के अनुसार की जा सकेंगी। महिलाओं को आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कैबिनेट ने मिशन शक्ति के दिशा-निर्देशों के अनुरूप महिला हेल्पलाइन-181 के संचालन के लिए 20 पदों के सृजन को मंजूरी दी। महिला हेल्पलाइन-181 एक टोल-फ्री सेवा है, जो चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती है। इसका उद्देश्य संकट में फंसी महिलाओं को तत्काल सहायता उपलब्ध कराना और उन्हें जरूरी सेवाओं से जोड़ना है।

आईआईआईटी रांची में छात्र की मौत के बाद बवाल, निदेशक के इस्तीफे की मांग

विश्व केसरी■
रांची। झारखंड की राजधानी रांची के खेल्गांव स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) के हॉस्टल में बीटेक प्रथम वर्ष के छात्र आदित्य कुमार की मौत के बाद रविवार को छात्रों ने जमकर हंगामा किया। आक्रोशित विद्यार्थियों ने हॉस्टल की व्यवस्था में सुधार और संस्थान के निदेशक राजीव श्रीवास्तव के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। छात्रों ने खेल्गांव-टाटीसिलवे मार्ग भी जाम कर दिया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस और संस्थान के अधिकारी छात्रों को समझाने में जुटे रहे। बिहार के पूर्णिया निवासी आदित्य शनिवार



रात अपने हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटका मिला था। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मौत घोषित कर दिया। घटना के बाद से छात्र हॉस्टल में बुनियादी सुविधाओं की कमी और आपात स्थिति में समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध नहीं होने का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि हॉस्टल की व्यवस्था के लिए

समाचार लिखे जाने तक छात्रों का हंगामा जारी है। रांची के एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि मामले की प्रारंभिक जांच जारी है। फर्रिसिक साईंस लैब (एफएसएल) की टीम घटनास्थल से साक्ष्य जुटा चुकी है और छात्र के रूममेट का बयान भी लिया गया है। उन्होंने कहा कि छात्र की मौत और हॉस्टल की मांगों को लेकर हो रहे प्रदर्शन को अलग-अलग घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस मौत के कारणों की जांच कर रही है। एसएसपी ने प्रारंभिक तौर पर परीक्षा से जुड़े दबाव की आशंका भी जताई। संस्थान के निदेशक राजीव श्रीवास्तव ने बताया कि आदित्य ने अगस्त में प्रथम वर्ष में दाखिला लिया था।

भारत और रूस की नौसेनाओं का सैन्य अभ्यास ‘इंद्र-2026’, दोनों देशों की रक्षा साझेदारी को मिलेगी मजबूती

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारत और रूस की नौसेनाएं समुद्री सहयोग को मजबूत करने के लिए एक बार फिर साथ आ रही हैं। भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस सह्याद्रि 10 अक्टूबर को रूस के व्लादिवास्तोक पहुंच गया। यहां वह भारत और रूस के बीच होने वाले द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास ‘इंद्र-2026’ में हिस्सा लेगा। इस अभ्यास के दौरान भारत-रूस की पुरानी रक्षा साझेदारी को और अधिक मजबूती मिलेगी। भारतीय नौसेना के मुताबिक यह अभ्यास 13 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाना, एक-दूसरे के संचालन तरीकों को समझना और समुद्र में मिलकर काम करने की क्षमता को मजबूत करना है। यहां दोनों देशों के बीच बंदरगाह से समुद्र



तक तालमेल दिखेगा। ‘इंद्र-2026’ के तहत पहले चरण में बंदरगाह पर विभिन्न गतिविधियां होंगी। इस दौरान पेशेवर बातचीत और समुद्री गतिविधियों के माध्यम से दोनों नौसेनाएं अपने अनुभव साझा करेंगी। इससे संयुक्त अभियानों के दौरान बेहतर तालमेल बनाने में मदद मिलेगी। इसके बाद दोनों देशों की नौसेनाएं समुद्र में मिलकर अभ्यास करेंगी। अभ्यास के दौरान केवल सैन्य गतिविधियों पर ही ध्यान नहीं दिया जाएगा। दोनों देशों के नौसैनिकों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इनके जरिए ‘इंद्र’ नौसैनिक अभ्यास दोनों देशों के समुद्री संबंधों को मजबूत करने और साझा संचालन क्षमता बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर भी है।

यह तैनाती भारत और रूस के बीच लंबे समय से चले आ रहे रक्षा और समुद्री सहयोग का हिस्सा है। यह भारत सरकार की ‘महासागर’ परिकल्पना के अनुरूप भी है। इसके तहत क्षेत्र में समुद्री सहयोग और साझेदारी को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। यह अभ्यास दिसंबर 2025 में आयोजित भारत-रूस के 23वें वार्षिक शिखर सम्मेलन से बनी गति को भी आगे बढ़ाने का अवसर देगा। दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच नियमित अभ्यास और पेशेवर संवाद से आपसी समझ बढ़ाने तथा समुद्र में संयुक्त रूप से काम करने की क्षमता मजबूत करने में मदद मिलेगी। भारत और रूस के बीच आयोजित होने वाला ‘इंद्र’ नौसैनिक अभ्यास दोनों देशों के समुद्री संबंधों को मजबूत करने और साझा संचालन क्षमता बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर भी है।

काशी में जुटेंगे 3000 संत, जैन-जी को मिलेगा बोलने का मंच

विश्व केसरी■
वाराणसी। गंगा महासभा ने 3-5 नवंबर को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में संस्कृति संसद 2026 की घोषणा की है। इसमें भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और युवाओं के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए लगभग 3,000 संत, विद्वान और कलाकार एक साथ आएंगे। इस मंच पर जैन-जी को बोलने का मौका दिया जाएगा। काशी विद्वत् परिषद के महासचिव रामनारायण द्विवेदी ने कहा, ‘मनुस्मृति को लेकर एक विमर्श छिड़ा हुआ है और काशी समिति में किन नामों को शामिल किया जाए, जो वैश्विक स्तर पर विदेशों में मौजूद पांडुलिपियों को भारत और काशी में लाकर वास्तविक ग्रंथ-स्वरूप तैयार करें। मनु भगवान के मूल चिंतन को समाज के सामने लाने पर विचार



अन्वेषण और शोध करना है। इसके लिए एक अखिल भारतीय समिति उपस्थिति में होगा। इसमें देश-विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षाविद शामिल होंगे। सभी की उपस्थिति में परामर्श के बाद जो निर्णय होगा, उसे सार्वजनिक किया जाएगा। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा, ‘आगामी 2 से 5 नवंबर तक काशी में संस्कृति संसद का आयोजन होगा।

संपादकीय

आखिरी बार देख लीजिये जंतर-मंतर

राकेश अचल

जनता से सब कुछ छीनने पर आमदा हमारी सरकार अब आम जनता से वो जंतर-मंतर भी छीनने वाली है जो दशकों से जन अभिव्यक्ति का मंच बना हुआ था.इसलिए यदि आप अपनी सुधियों में जंतर -मंतर बसाना चाहते हैं तो आखिरी बार जंतर- मंतर जाकर फोटो खिंचवा लें,रील बना लें.

मैं कोई बात हवा में नहीं करता.मैंने सरकार के इरादे को माननीय सुप्रीम कोर्ट में भारत सरकार के सालिसिटर जनरल के बयान से भांप लिया है.मजे की बात ये है कि माननीय अदालत भी जंतर-मंतर को जनता से छीने जाने के विरोध में नहीं दिखाई दे रही.

कांक्रोच जनता पार्टी समेत कई संगठनों ने 10 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन के आह्वान के बाद दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर आंदोलन की इजाजत नहीं दी, इसके अलावा दिल्ली मेट्रो के 57 स्टेशनों को बंद कर दिया गया है ताकि लोग वहां जमा नहीं हो सकें। इतना ही नहीं शनिवार को नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन पहुंचने वाली ट्रेनों को भी रद्द कर दिया था.

सरकार के इन फैसलों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई थीं. इन पर सुनवाई करते हुए देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने न केवल मेट्रो स्टेशनों को बंद किए जाने पर चिंता जताई बल्कि दो टूक कहा कि इस तरह से सब कुछ बंद नहीं किया जा सकता.

शीर्ष अदालत ने कहा कि दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करने के लिए एक वैकल्पिक जगह तय की जानी चाहिए। इस पर सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को बताया कि सक्षम अधिकारी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के लिए जंतर-मंतर के अलावा किसी दूसरी जगह को तय करने पर विचार करेंगे.

.मेहता के इस आश्वासन के बाद सभी पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि अब समय आ गया है कि जंतर-मंतर की जगह किसी और स्थान पर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के लिए सुविधाओं वाली किसी दूसरी जगह को पहचान को जाए और उसे तय किया जाए.

कोर्ट ने आदेश दिया कि सक्षम अधिकारी इस सुझाव पर विचार करें और उचित निर्णय लें.यानी भविष्य में जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन देखने को नहीं मिल सकता है। आदेश में कहा गया है, ‘सुनवाई के दौरान यह सुझाव दिया गया कि शांतिपूर्ण और कानूनी विरोध प्रदर्शनों के लिए जरूरी सुविधाओं और संसाधनों वाली कोई दूसरी उपयुक्त जगह पहचानी और तय की जा सकती है। भारत सरकार इस सुझाव पर विचार करे और उचित फैसला ले.’

आपको बता दूं कि दिल्ली के जंतर मंतर को प्रदर्शन और



आंदोलनों के लिए मुख्य रूप से 1993 से इस्तेमाल किया जा रहा है।.जहां तक मुझे याद है कि पहले दिल्ली में बड़े प्रदर्शन बोट क्लब (राजपथ/ईडिया गेट के पास) पर होते थे. यह जगह संसद, राष्ट्रपति भवन और सरकारी दफ्तरों के बहुत नजदीकी थी.लेकिन जब अक्टूबर 1988 में किसान नेता महेंद्र सिंह टिकैत के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन के लगभग 5 लाख किसानों ने बोट क्लब और आसपास के इलाके पर लगभग एक हफ्ते तक कब्जा कर लिया. उन्होंने ट्रैक्टर, मवेशी आदि भी साथ लाए थे. इससे सुरक्षा और प्रशासनिक समस्याएँ पैदा हुईं.

इसके बाद सरकार ने सुरक्षा कारणों से बोट क्लब पर बड़े प्रदर्शनों पर रोक लगा दी.

वर्ष 1993 के आसपास जंतर मंतर रोड को वैकल्पिक और मुख्य प्रदर्शन स्थल के रूप में स्वीकार किया गया. कोई औपचारिक अधिसूचना नहीं थी, लेकिन धीरे-धीरे यह जगह स्थापित हो गई क्योंकि यह संसद के करीब तो है, लेकिन भीड़ को नियंत्रित करना आसान है. वर्ष 1990 के दशक से यह दिल्ली का सबसे प्रमुख धरना-प्रदर्शन स्थल बन गया.यहाँ सैकड़ों आंदोलन हुए, जिनमें सबसे चर्चित 2011 में अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार-विरोधी (लोकपाल) आंदोलन रहा.

निर्भया कांड के बाद के प्रदर्शन किसानों, छात्रों, पेंशनरों, आरटीआई कार्यकर्ताओं आदि के कई लंबे बने रहें हुए.

आज भी यह जगह छोटे-मध्यम आकार के शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के लिए अनुमति के साथ इस्तेमाल होती थी. बड़े प्रदर्शन रामलीला मैदान या अन्य जगहों पर भेजे जाते हैं।

रूस से डीजल खरीदेंगे ट्रंप, जेलेंस्की हुए आग बबूला, अमेरिकी राष्ट्रपति के दोहरेपन को देख दुनिया में मची हायतौबा

नीरज कुमार दुबे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से डीजल खरीदने का फैसला कर लिंडसे ग्राहम को मानो श्रद्धांजलि दे दी है। यह कटाक्ष इसलिए है, क्योंकि भारत रूस से तेल खरीदे तो उस पर सौ फीसदी टैरिफ लगा दिया जाता है, लेकिन अमेरिका वही काम करे तो उसे शानदार फैसला बताया जाता है। यही नहीं, नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला, तो ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय पर ही प्रतिबंध लगा दिए। आखिर यह कैसी नीति है? दूसरों को नियमों का पाठ पढ़ाने वाले ट्रंप जब अपने देश के हितों की बात आती है, तो उन्हीं नियमों को भूल जाते हैं। भारत पर रूस से तेल नहीं खरीदने का दबाव बनाने वाले ट्रंप अब खुद रूस से डीजल खरीद रहे हैं, इस फैसले ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है

रिपोर्टरों के मुताबिक, सितंबर में अमेरिकी डीजल की कीमत 6.52 डॉलर प्रति गैलन के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गयी थी और शुक्रवार को लगभग 6.28 डॉलर प्रति गैलन रही। तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले महंगाई का सवाल ट्रंप के लिए बड़ा सिरदर्द बन चुका है। सर्वेक्षणों के मुताबिक, 78 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों ने बढ़ती जीवन-यापन लागत के लिए ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार माना है। इसलिए जब अमेरिकी मतदाताओं की जेब का सवाल आया, तो रूस से डीजल खरीदना ट्रंप के लिए राष्ट्रीय हित बन गया। लेकिन भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों और आर्थिक हितों के अनुसार रूसी तेल खरीदे, तो उसे टैरिफ का सामना करना पड़ता है। इसलिए सवाल उठता है

रिपोर्टरों के मुताबिक, सितंबर में अमेरिकी डीजल की कीमत 6.52 डॉलर प्रति गैलन के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गयी थी और शुक्रवार को लगभग 6.28 डॉलर प्रति गैलन रही। तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले महंगाई का सवाल ट्रंप के लिए बड़ा सिरदर्द बन चुका है। सर्वेक्षणों के मुताबिक, 78 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों ने बढ़ती जीवन-यापन लागत के लिए ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार माना है। इसलिए जब अमेरिकी मतदाताओं की जेब का सवाल आया, तो रूस से डीजल खरीदना ट्रंप के लिए राष्ट्रीय हित बन गया। लेकिन भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों और आर्थिक हितों के अनुसार रूसी तेल खरीदे, तो उसे टैरिफ का सामना करना पड़ता है। इसलिए सवाल उठता है

देसीउत्पाद खोजें

देखा जाये तो रूसी ऊर्जा खरीद को लेकर भारत पर दबाव बनाने वाले ट्रंप का ताजा फैसला उनको कथनी और करनी के बीच की खाई को उजागर करता है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने रूस से तत्काल तीन लाख टन से अधिक डीजल की आपूर्ति के साथ नवंबर में पांच लाख टन, उसके बाद दस लाख टन और फिर कुछ ही समय में तीस लाख टन अतिरिक्त डीजल की आपूर्ति की घोषणा की है। अमेरिकी प्रशासन ने रूसी डीजल की आपूर्ति को सुगम बनाने के

लिए अस्थायी सामान्य अनुमति भी जारी की है, जिसके अंतर्गत निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले कुछ माल पर अप्रैल 2027 तक प्रतिबंधों में छूट का प्रावधान किया गया है।

गौरतलब है कि यह वही प्रशासन है जिसने रूस की युद्ध अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिबंधों को सख्त करने की नीति अपनाई थी। लेकिन जब अमेरिका में ईंधन की कीमतें बढ़ीं और किसानों, ट्रक चालकों तथा कारोबारियों पर दबाव बढ़ा, तो रूस से ऊर्जा खरीद अचानक स्वीकार्य हो गई। दरअसल अमेरिका में नवंबर की शुरुआत में मध्यावधि चुनाव होने हैं और ट्रंप की नीतियों के चलते वहां महंगाई अप्रत्याशित रूप से बढ़ गयी है जिसके चलते जनता माराज है।

रिपोर्टरों के मुताबिक, सितंबर में अमेरिकी डीजल की कीमत 6.52 डॉलर प्रति गैलन के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गयी थी और शुक्रवार को लगभग 6.28 डॉलर प्रति गैलन रही। तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले महंगाई का सवाल ट्रंप के लिए बड़ा सिरदर्द बन चुका है। सर्वेक्षणों के मुताबिक, 78 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों ने बढ़ती जीवन-यापन लागत के लिए ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार माना है। इसलिए जब अमेरिकी मतदाताओं की जेब का सवाल आया, तो रूस से डीजल खरीदना ट्रंप के लिए राष्ट्रीय हित बन गया। लेकिन भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों और आर्थिक हितों के अनुसार रूसी तेल खरीदे, तो उसे टैरिफ का सामना करना पड़ता है। इसलिए सवाल उठता है

कि यह कैसी निष्पक्षता है? यह कैसी नियम-आधारित व्यवस्था है, जिसमें नियम दूसरों के लिए हैं और छूट अपने लिए?

दूसरी ओर, ट्रंप के इस फैसले ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की नाराजगी भी बढ़ा दी है। उन्होंने इसे अनुचित और बेईमानी भरा कदम बताते हुए कहा कि इससे पुतिन को जन्मदिन का उपहार मिलने जैसा संदेश जाता है। जेलेंस्की की आपत्ति इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि यह घोषणा ऐसे समय हुई, जब ट्रंप के प्रतिनिधि

के रियायत देना रूस की युद्ध क्षमता को आर्थिक सहारा देने जैसा दिखाई देता है। वहीं अमेरिकी रिपब्लिकन नेता डॉन बेकन ने भी इस फैसले की आलोचना की। उनका तर्क था कि अमेरिकी किसानों और उपभोक्ताओं के लिए डीजल सस्ता करना जरूरी है, लेकिन इसके लिए रूस से ईंधन खरीदना गलत रास्ता है। उन्होंने पूछा कि जब अमेरिकी संसद ने रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए कानून पारित किया और ट्रंप ने स्वयं उस पर हस्ताक्षर किए, तो अब उसी दबाव को कमजोर करने



यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों के साथ युद्ध समाप्त करने के प्रस्तावों पर बातचीत कर रहे थे।

जेलेंस्की ने यह भी संकेत दिया कि यदि ऊर्जा प्रतिबंधों में ढील दोनों देशों की ओर से सर्दियों में ऊर्जा ढांचे पर हमले रोकने जैसे पारस्परिक समझौते का हिस्सा होती, तो उसका समर्थन किया जा सकता था। लेकिन बिना ऐसी शर्तों

का औचित्य क्या है?

इसके अलावा, ट्रंप की राजनीति का दूसरा चिंताजनक पहलू अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रति उनका रवैया है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश नवी पिल्लै को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप प्रशासन ने न्यायालय के विरुद्ध प्रतिबंधों की घोषणा कर

कि ट्रंप अमेरिकी नागरिकों पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय का अभियोजन स्वीकार नहीं करेंगे। अमेरिकी प्रशासन ने न्यायालय के साथ लेन-देन पर रोक लगाने और उसके संसाधनों को बाधित करने की मंशा जाहिर की। वहीं अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने इसे कानून के शासन और अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था की

बुनियाद पर हमला बताया।

देखा जाये तो यहां भी वही पुराना सवाल सामने आता है कि क्या अंतरराष्ट्रीय कानून केवल कमजोर देशों और विरोधियों पर लागू होना चाहिए? क्या अमेरिकी को अपने नागरिकों और अधिकारियों को किसी भी अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही से ऊपर रखने का अधिकार मिल जाना चाहिए? ऐसा लगता है कि वाशिंगटन अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही को सीमाएं अपने हिसाब से तय करना चाहता है। ट्रंप की राजनीति में सबसे बड़ा विरोधाभास यही है कि वे राष्ट्रीय हित का इस्तेमाल कभी प्रतिबंधों को उचित ठहराने के लिए करते हैं, तो कभी उन्हीं प्रतिबंधों को कमजोर करने के लिए। भारत के लिए रूसी तेल आर्थिक और ऊर्जा संबंधी जरूरतों का प्रश्न है, लेकिन अमेरिका के लिए वही रूसी ऊर्जा घरेलू महंगाई घटाने और चुनावी नुकसान रोकने का साधन बन जाती है।

इसी तरह, अंतरराष्ट्रीय न्याय की बात तब तक स्वीकार्य दिखाई देती है, जब तक वह अमेरिकी सत्ता और उसके सहयोगियों के हितों से न टकराए। जैसे ही जवाबदेही का सवाल उठता है, स्वतंत्र न्यायिक संस्था को ही निशाना बनाया जाने लगता है। यह केवल नीतिगत असंगति नहीं, बल्कि उस नैतिक दावे की कमजोरी है जिसके आधार पर अमेरिका दुनिया को नियमों, लोकतंत्र और न्याय का उपदेश देता रहा है। ट्रंप ने अपने फैसलों से यह धारणा मजबूत की है कि उनके लिए सिद्धांत स्थायी नहीं, बल्कि परिस्थितियों और राजनीतिक लाभ के अनुसार बदलने वाली चीज हैं।

बोध कथा

दुर्भाग्य का मुकाबला

लगभग ढाई सौ साल पहले की घटना है। जापान में हवाना होकीची नामक एक बालक का जन्म हुआ। सात वर्ष की उम्र में चेचक के कारण बालक की आंखों की रोशनी चली गई। अब उसके जीवन में बिल्कुल अंधेरा हो गया था।

कुछ दिनों तक तो होकीची इस दुर्भाग्यपूर्ण परिवर्तन को समझ नहीं पाया। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते रहे, वैसे-वैसे होकीची ने अपनी परिस्थिति से समझौता कर लिया और मन में ठान लिया कि किसी भी कीमत पर हार नहीं माननी है।

बालक ने पढ़ना आरंभ किया। धीरे-धीरे उसे पुस्तकों से गहरा प्रेम हो गया। पुस्तकें ही होकीची की आंखें थीं, जो उसे जीवन की राह दिखाती थीं। वह पुस्तकों को दूसरों से पढ़वा कर ज्ञान अर्जित करता था। आजीवन उसने अपना अध्ययन जारी रखा। दूसरों से पुस्तकें पढ़वा-पढ़वा कर होकीची का ज्ञान भंडार असीमित हो चुका था। फिर उन्होंने अपने ज्ञान को एक पुस्तक के रूप में समेटना चाहा। जब यह बात एक

राष्ट्रीय संस्था को मालूम हुई तो उसने होकीची के ज्ञान को पुस्तक रूप में लिखवाया।

होकीची ने बोलकर संपूर्ण पुस्तक को लिखवा दिया। राष्ट्रीय संस्था को हवाना होकीची द्वारा लिखवाई गई पुस्तक अत्यंत महत्वपूर्ण नजर आई। उसने उसके आधार पर एक विश्वज्ञान कोश प्रकाशित किया। यह विश्वज्ञान कोश दो हजार आठ सौ बीस खंडों में प्रकाशित हुआ। विश्व इतिहास में आज तक इससे अधिक तथ्यपूर्ण पुस्तक संभवतः कोई प्रकाशित नहीं हुई। होकीची ने हिम्मत नहीं हारी।

उन्होंने अपने जीवन को एक सार्थक मोड़ पर पहुंचाया और आत्मविश्वास के बल पर एक सौ एक वर्ष तक जिंदा रहे। उन्होंने अपनी शारीरिक कमी को अपनी ताकत बनाकर अपने दुर्भाग्यपूर्ण जीवन को महान बना लिया। उनका जीवन दूसरों के लिए एक मिसाल बन गया। उन्होंने साबित किया कि संकल्प से हर तरह की मुश्किलों को आसान बनाया जा सकता है।

कविता

मुस्कुरा रही मातारानी



मोनिका डगा 'आनंद'

ही, नौ रूपों का ध्यान लगाएं, फल-फूल और नैवेद्य कई, माता को प्रेम से धराएं, नौ रूपों में करें श्रृंगार, चक्रों पर विराजित भवानी, नौ दुर्गा का अवतार लिए, मुस्कुरा रही मातारानी।

मातु शैलपुत्री दे स्थिरता, ब्रह्मचारिणी तप की दीक्षा, चंद्रशेख निडला दे दो ,

नौ दुर्गा का अवतार लिए, मुस्कुरा रही मातारानी, धूम मची है नवरात्रों में, गज सवार श्री मातु भवानी

इन शारदीय नवरात्रों में, अंबे माँ को भक्त मनाएं, शुद्ध भाव से नौ स्वरूपों की, त्रिह ही सुंदर महिमा गाएं, नौ दिन श्रद्धा से विधिबन्ध

कुम्भांडा गूढ प्रेम शिक्षा, मन विशुद्ध स्कंदमाता करो, काल्यायनी सुगम्य परीक्षा, कालरात्रि चेतना जगा दो, महागौरी करुणा प्रशिक्षा, दीजिए सिद्धिदात्री अंतस, ज्ञानार्जन सिद्धि की निशानी, नौ दुर्गा का अवतार लिए, मुस्कुरा रही मातारानी।

करती है माता भक्तों की, दुष्कर संकट से रखवाली, है तीनों लोकों में मेरी, माँ की महिमा बड़ी निराली, हरती अंधेरा तन-मन का, पल में सारा ज्योतावाली, सबके जीवन में लाती है, सुख 'आनंद' अमिय खुशहाली, बंद सोभाय के सभी द्वार, खोले आदिशक्ति महारानी, नौ दुर्गा काअवतार लिए, मुस्कुरा रही मातारानी।



एकता शर्मा

सड़क से संसद की सदस्यता मिल जाए, तो बात बन जाए। लेकिन जाएँ कैसे ?इस भीड़व्रत से पार पाएँ कैसे ? आखिर सड़क पार करने के जोखिम हजार हैं। हमें तो जेबरा क्रॉसिंग ही सुरक्षित, सस्ता और सुलभ साधन जान पड़ता है,हँसते हुए कमरे में ठहारे लगे।

परसाई जी ने सड़क न मिले तो पगडिंडियों का शॉटकट समझाया था;

व्यंग्य केसरी

जेन जी ज़ेबरा क्रॉसिंग पर ?

लेकिन अब तो इन पगडिंडियों में भी पग रखने की जगह नहीं है। यहाँ भी अब अवैध और अनैतिक अतिक्रमण भारी है और शॉर्ट सर्किट से आगजनी आम है। तब भरोसेमंदों ने कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई। चलो! अब इस नए मार्ग की तैयारी करते हैं। तभी बैठक में बैठे दूसरे नवयुवक के मन में विचार आया— ‘कहाँ सचमुच इस पार से उस पार (जनत) जाने के लिए, जनरेशन ‘जेन-जी’ को जंतर-मंतर का जेबरा क्रॉसिंग तो नहीं बनाया जा रहा है?’

ऐसा लग रहा है जैसे कोई बाँसुरी बजाकर चूहे इकट्ठे कर रहा हो। देखो, फिर से एक लेब में टेस्ट ट्यूब टूटी है। कहीं कोई ‘संता नहीं हंता’ बायस तो दुनिया में नहीं फैल गया है? भारत ही नहीं, हमारे पड़ोसी देशों और विकसित फ्रांस जैसे देशों में भी यही हाल हो रहा है।

नहीं-नहीं, ये चूहे नहीं हैं; चूहे तो

हमारे गणेश जी के वाहन भी रहे हैं। यह तो कॉकरोच है! वह कॉकरोचों को इकट्ठा कर रहा है। हड़ताल, हिजрат, सत्याग्रह करो, लेकिन आग्रह तो सही करो! सच कहूँ तो बेचारी महिला कांस्टेबल जघन्य अपराधियों से भी निपट लें, लेकिन कॉकरोच और छिपकली जैसे जीव ऐसे होते हैं तभी बैठक में बैठे दूसरे नवयुवक के मन में विचार आया— ‘कहाँ सचमुच इस पार से उस पार (जनत) जाने के लिए, जनरेशन ‘जेन-जी’ को जंतर-मंतर का जेबरा क्रॉसिंग तो नहीं बनाया जा रहा है?’

ऐसा लग रहा है जैसे कोई बाँसुरी बजाकर चूहे इकट्ठे कर रहा हो। देखो, फिर से एक लेब में टेस्ट ट्यूब टूटी है। कहीं कोई ‘संता नहीं हंता’ बायस तो दुनिया में नहीं फैल गया है? भारत ही नहीं, हमारे पड़ोसी देशों और विकसित फ्रांस जैसे देशों में भी यही हाल हो रहा है।

नहीं-नहीं, ये चूहे नहीं हैं; चूहे तो

करते हुए?’

वह बोली, ‘हाँ दीदी!’ आईएएस अफसर बनने की सतत प्रक्रिया में आज वह लड़की कांस्टेबल तो बन ही गई, चलो। क्या नाम था उसका? नाम में क्या रखा है जनाब, काम देखिए! कैसे जंतर-मंतर पर इड्यूटी के दौरान उस मासूम लड़की के बाल और कपड़े नॉचे जा रहे हैं।

‘अरे भाई! लेकिन कानूनन नैसर्गिक न्याय भी तो कुछ होता है? जो, होता है न जनाब! दंड प्रक्रिया संहिता को हमने यँ ही ‘भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता’ थोड़ी न बनाया है। अब ऐसे प्रबुद्ध नागरिकों और कच्छ-बनियान गिरोह जैसी उग्र भीड़ को संभालने में वह लड़की कहीं से अपना और उसका दुपट्टा सँभाले? अपनी लाज बचाए या उसकी लाज बचाए?

खैर, कच्छ-बनियान पर दुपट्टा तो वैसे भी नहीं ओढ़ा जाता।

इतिहास

12 अक्टूबर का दिन भारत और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है:

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ 1492: इटली के नाविक क्रिस्टोफर कोलंबस ने अमेरिका महाद्वीप के तहत बहामास द्वीप समूह पर पहली बार कदम रखा, जिसे 'नई दुनिया' की खोज माना जाता है।

1934: अमेरिका के राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट ने 12 अक्टूबर को 'कोलंबस दिवस' (Columbus Day) को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया।

1958: भारत का पहला परमाणु रिएक्टर 'अप्सरा' (Apsara) ढाँचे में पूरी तरह से सक्रिय (operational) हुआ।

1999: पाकिस्तान में सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ ने प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की निर्वाचित सरकार का तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया था।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का रखें विशेष ध्यान : जिला पंचायत सीईओ

अनुपस्थित पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

विश्व केसरी ■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल ने जनपद पंचायत कोटा की ग्राम पंचायत नवागांव सलका, कुआड़ीमोड़ा एवं गोबरीपाट में संचालित विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

जिला पंचायत सीईओ अग्रवाल ने इस दौरान जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ), सांसद निधि एवं वीबी-जी राम जी योजना सहित अन्य विभिन्न मदों से निर्मित किए जा रहे सामुदायिक भवन, प्रार्थना शेड, उचित मूल्य की दुकान, बार्डर्ड्रॉवल, बालिका शौचालय तथा आंगनवाड़ी भवन का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति



की जानकारी ली तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान प्रार्थना शेड की दुकान के फर्श का स्तर ऊंचा करके और

अभियंता को निर्देशित किया गया, ताकि वर्षा के दौरान पानी भरने की समस्या से बचाव हो सके और ग्रामीणों को सुविधाओं का बेहतर लाभ मिल सके।

आंगनवाड़ी केंद्र में साफ-सफाई और सुव्यवस्थित संचालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि बच्चों के लिए स्वच्छ एवं अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए ग्राम पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत सीईओ युवराज सिंह, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के एसडीओ, जिला कार्यक्रम अधिकारी वीबी-जी राम जी, संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिव एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

आधार से जुड़ी हर समस्या का होगा समाधान, 14 से 16 अक्टूबर तक विकासखंडों में लगेंगे विशेष आधार शिविर

विश्व केसरी ■

बलरामपुर (आफताब आलम)। शासकीय कार्यों का लाभ लेने में आधार संबंधी कठिनाइयों का सामना कर रहे नागरिकों के लिए जिला प्रशासन द्वारा विकासखंड स्तर पर विशेष आधार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। चिप्स के सहयोग से ये शिविर 14 अक्टूबर को जनपद पंचायत कार्यालय बलरामपुर, 15 अक्टूबर को जनपद पंचायत कार्यालय शंकरगढ़ तथा 16 अक्टूबर को जनपद पंचायत कार्यालय कुसमी में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक लगेंगे। इनमें नया आधार पंजीयन होने के साथ ही पंजीकृत आधार की त्रुटियों का मौके पर ही निराकरण किया जाएगा।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने जिलेवासियों से शिविर में पहुंचकर इसका

विश्व केसरी ■			
क्रमांक	विकासखंड का नाम	केय स्थल	दिनांक
1	विकासखंड बलरामपुर	जनपद पंचायत कार्यालय, बलरामपुर	14/10/2026
2	विकासखंड शंकरगढ़	जनपद पंचायत कार्यालय, शंकरगढ़	15/10/2026
3	विकासखंड कुसमी	जनपद पंचायत कार्यालय, कुसमी	16/10/2026

लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आज के समय में आधार प्रत्येक नागरिक की अनिवार्य पहचान बन चुका है और केंद्र एवं राज्य शासन की लगभग सभी योजनाओं का लाभ इसी के माध्यम से हितग्राहियों तक पहुंचता है। किसानों के एग्रीस्ट्रेक पंजीयन, विद्यार्थियों की अपार आईडी और पैन कार्ड से लेकर बैंक खातों की लिंकिंग तक, हर आवश्यक प्रक्रिया

आधार से जुड़ी है। ऐसे में आधार में छोटी-सी त्रुटि भी पात्र व्यक्ति को उसके अधिकार से वंचित कर सकती है। कलेक्टर ने कहा कि जिनका आधार अब तक नहीं बना है या जिनके आधार में कोई गड़बड़ी है, वे अपने विकासखंड के शिविर में अवश्य पहुंचें और इस अवसर का लाभ उठाएं।

शिविरों में बायोमेट्रिक एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चंद्रपुर/डभरा सुमित गुप्ता (रा.पु.से.) के कुशल नेतृत्व में थाना डभरा क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 10.10.2026 को ग्राम खेमड़ निवासी प्रार्थी बहूलाल उम्र 65 वर्ष ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी वृद्ध पत्नी शौच के लिए गई थी। सुबह करीब 06:30 से 07:00 बजे के बीच ग्राम में ननमोहन साहू के घर के सामने एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी पत्नी को रोककर पूछा कि तालाब कहाँ है, और इसी दौरान गले

महिला से सोने का मंगलसूत्र लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी ■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। जिला शक्ति पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर (भा.पु.से.) के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल (रा.पु.से.) के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चंद्रपुर/डभरा सुमित गुप्ता (रा.पु.से.) के कुशल नेतृत्व में थाना डभरा क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 10.10.2026 को ग्राम खेमड़ निवासी प्रार्थी बहूलाल उम्र 65 वर्ष ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी वृद्ध पत्नी शौच के लिए गई थी। सुबह करीब 06:30 से 07:00 बजे के बीच ग्राम में ननमोहन साहू के घर के सामने एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी पत्नी को रोककर पूछा कि तालाब कहाँ है, और इसी दौरान गले



में पहना सोने का मंगलसूत्र लूटने लगा। धागा टूटने पर मंगलसूत्र लेकर आरोपी गेवराघाट की ओर भाग गया। पीड़िता की चीख-पुकार ने अपना नाम पारस कुमार चन्दा योगेश, उमेश एवं श्यामलाल द्वारा आरोपी का पीछा कर ग्राम घोघरी में पकड़ा गया। पकड़े जाने पर आरोपी ने अपना नाम पारस कुमार चन्दा पिता ब्रिजमोहन चन्दा, निवासी वार्ड नंबर 12 जुनाडीह विजय नगर गेवरा प्रोजेक्ट, थाना दीपका, जिला कोरबा (छ.ग.) बताया।

शांति और सौहार्द के साथ मनेगा दशहरा, शांति समिति की बैठक में प्रशासन ने दिया एकता का संदेश

विश्व केसरी ■

बलरामपुर (आफताब आलम)। जिले में दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और आपसी भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय स्थित कोतवाली थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। डिप्टी कलेक्टर प्रज्ञा नायक की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में थाना प्रभारी भूपेंद्र साहू की विशेष उपस्थिति रही। बैठक में विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, दशहरा पूजा समितियों के अध्यक्ष, सचिवों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर त्योहार को शांतिपूर्वक मनाने के लिए आपसी सहयोग और समन्वय पर चर्चा की।

बैठक में प्रशासन की ओर से स्पष्ट संदेश दिया गया कि दशहरा



पर्व सभी समुदायों के सहयोग, सामाजिक सद्भाव और पारस्परिक सम्मान के साथ मनाया जाए। त्योहार के दौरान शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई। उपस्थित लोगों ने भी त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में प्रशासन और पुलिस का सहयोग करने की बात कही।

थाना प्रभारी भूपेंद्र साहू ने की शांतिपूर्ण आयोजन की अपील –

बैठक में थाना प्रभारी भूपेंद्र साहू ने दशहरा पूजा समितियों और उपस्थित नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि त्योहार को आपसी भाईचारे, सौहार्द और सद्भाव के वातावरण में मनाएं। सभी आयोजन शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किए जाएं तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि त्योहारों का उद्देश्य समाज में प्रेम, एकता और सकारात्मकता का संदेश देना है।

अकलतरा में राज्य कर्मचारी संघ का जिला अधिवेशन का समापन

विश्व केसरी ■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। शासन से मान्यता प्राप्त संगठन राज्य कर्मचारी संघ का जिला अधिवेशन अकलतरा के तरोद चौक में उद्घाटन कार्यक्रमों के बीच संपन्न हुआ। अधिवेशन में संगठन की मजबूती, कर्मचारियों के हितों की रक्षा, आपसी एकजुटता और संगठन के विस्तार को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी के गठन के साथ विभिन्न पदाधिकारियों को नवीन दायित्व सौंपे गए। पुष्पराज चंदेल को जिलाध्यक्ष, नरेंद्र सिंह को जिला सचिव तथा विनोद गिग्गा को जिला कोषाध्यक्ष का दायित्व दिया गया। नवीन पदाधिकारियों की घोषणा के बाद उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने

उनका स्वागत करते हुए संगठन के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने की अपेक्षा जताई। विशेष रूप से जिलाध्यक्ष का दायित्व मिलने पर पुष्पराज सिंह चंदेल को कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से स्वागत किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। संगठन को जिला से ब्लॉक और संकुल स्तर तक मजबूत करने पर जोर अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अखिल भारतीय महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री राजेंद्र श्रीवास्तव ने नवनिर्वाचित जिला पदाधिकारियों को नवीन दायित्व मिलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि संगठन की वास्तविक मजबूती उसके सक्रिय सदस्यों और जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं से आती है। उन्होंने राज्य कर्मचारी संघ

का विस्तार जिला स्तर से आगे बढ़ाते हुए ब्लॉक एवं संकुल स्तर तक करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पदाधिकारियों से कर्मचारियों के बीच निरंतर संपर्क बनाए रखने और उनकी समस्याओं को संगठन के माध्यम से प्रभावी ढंग से उठाने का आह्वान किया। भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री शंखध्वनी सिंह बनाफर ने अपने संबोधन में संप्रदानात्मक एकता को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि किसी भी संगठन की सफलता उसके सदस्यों की एकजुटता, समर्पण और सक्रियता पर निर्भर करती है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ संघ के कार्यों को प्राथमिकता देने तथा कर्मचारी हितों से जुड़े विषयों पर संगठित होकर काम करने की बात कही।

भिलाई में पांचवीं के छत्र की मौत

विश्व केसरी ■

भिलाई-जामुल (संतोष सिंह)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग-भिलाई के कुरुड़ इलाके में पांचवीं कक्षा के एक छात्र की मौत का मामला सामने आया है। घटना जामुल थाना क्षेत्र में नवीन चौक के पास की है। शुरुआती जानकारी में परिवार के एक कार्यक्रम में जात्र सामने को लेकर हुई बातचीत का सिद्धा सामने आया है। हालांकि, छात्र की मौत के पीछे यही वजह थी या कोई अन्य कारण, इसकी अब तक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर घटना से पहले की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में जाने की बात आई सामने – प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले परिवार में छात्र के बड़े पिता के निधन के बाद अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में जाने को लेकर चर्चा हुई थी। बताया जा रहा है कि छात्र इस कार्यक्रम में जाना चाहता था, लेकिन परिजनों ने उसे साथ

ले जाने से मना कर दिया था। इस बातचीत और छात्र की मौत के बीच कोई सीधा संबंध था या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। फिलहाल इस पहलू को लेकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। जांच में यह समझने की कोशिश की जा रही है कि घटना से पहले छात्र किन परिस्थितियों से गुजर रहा था और क्या वह किसी बात को लेकर परेशान था। पुलिस ने अभी तक मौत के पीछे किसी निश्चित कारण की पुष्टि नहीं की है। मामले की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

जांच के बाद सामने आएगी घटना की वजह – कम उम्र के छात्र की मौत से जुड़ा यह मामला कई सवाल खड़े करता है। हालांकि, शुरुआती जानकारी के आधार पर किसी एक घटना या पारिवारिक बातचीत को इसका कारण मानना उचित नहीं होगा।

अनुनय कॉन्वेंट में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर सशक्तीकरण, सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता का संदेश

विश्व केसरी ■

सक्ती (ईश्वर लोधी)।नगर में संचालित अनुनय कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर निदेशक योगेश साहू के मार्गदर्शन में कक्षा छठवीं से बारहवीं तक की छात्राओं के लिए दोनों पालियों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।कार्यक्रम में छात्राओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, समान अवसर एवं अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ विद्यालय की कराटे प्रशिक्षक यशु गबेल द्वारा आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया गया। इसका उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा, अधिकारों एवं आत्मनिर्भरता के प्रति



जागरूक करना तथा उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना था।

इस अवसर पर प्राचार्य किरण श्रीवास सहित शिक्षिकाओं ने छात्राओं से संवाद करते हुए अपने विचार साझा किए। प्राचार्य ने कहा कि शिक्षा एवं आत्मनिर्भरता से बालिकाएं

अपने जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं लेने में सक्षम बन सकती हैं। उन्होंने छात्राओं को कक्षा 10वीं एवं 12वीं की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देकर अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। अपर्णा बोस ने महिला सशक्तीकरण का उल्लेख करते हुए छात्राओं

को सामाजिक चुनौतियों का सामना करने, शिक्षा पर ध्यान देने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

मेम पटेल ने कहा कि शिक्षा ही बालिकाओं को सशक्त, आत्मविश्वासी एवं आत्मनिर्भर बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। ममता साहू ने बालिकाओं को अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने, आत्मविश्वास बनाए रखने और विपरीत परिस्थितियों में आत्मरक्षा के उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया।

प्रीतिका साहू एवं छाया पटेल ने सोशल मीडिया के सुरक्षित एवं सकारात्मक उपयोग, निजी जानकारियों को गोपनीयता तथा महिलाओं के बीच आपसी सहयोग एवं एकजुटता के महत्व पर प्रकाश डाला।

अग्रसेन जयंती समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

विश्व केसरी ■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। अग्रवाल सेवा समिति एवं अग्रवाल महिला समिति अकलतरा के तत्वावधान में आयोजित श्री अग्रसेन जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को सेट जानकीलाल लिखमानिया धर्मशाला में बच्चों एवं प्रतिभागियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें नोट गिने प्रतियोगिता, बोलो प्रतियोगिता, फैसी ड्रेस प्रतियोगिता तथा बॉलीवुड डांस प्रतियोगिता प्रमुख रहीं।

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता को दो वर्गों में आयोजित किया गया। जूनियर वर्ग में एल्केजी से कक्षा पहली तक



तथा सीनियर वर्ग में कक्षा दूसरी से पांचवीं तक के बच्चों ने भाग लिया। वहीं कक्षा दूसरी से छठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए बॉलीवुड डांस प्रतियोगिता आयोजित की गई। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन में निर्णायक एवं सहयोगियों के रूप में संदीप अग्रवाल, सुमित अग्रवाल,

गौरव अग्रवाल, शिवांश अग्रवाल, रजत अग्रवाल, आदर्श लिखमानिया, यश अग्रवाल (कस्तूरी), शालू भित्तल, शगुन तुलस्यान, मोनिका केडिया, आंचल केडिया, सोनम सराफ, पारुल केडिया, रश्मि अग्रवाल (बिल्हा मौल), स्वाति अग्रवाल, रितु बागडिया, श्वेता अग्रवाल, चंचल अग्रवाल, शीतल मुकीम, आकांक्षा कमानिया, रश्मि सराफ एवं संस्था केडिया का योगदान रहा।

आत्मनिर्भरता मिशन के चलते दाल उत्पादन में भारत की बड़ी छलांग

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारत में दालों के उत्पादन में बढ़ोतरी और आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों का असर अब आयात पर भी दिखाई देने लगा है। सरकार की ओर से रविवार को जारी एक फैक्टशीट के अनुसार, 2025-26 में देश का कुल दाल उत्पादन बढ़कर 274.09 लाख टन हो गया, जो 2024-25 में 256.83 लाख टन था। 'दालों में आत्मनिर्भरता मिशन' के कारण इस अवधि में दालों का आयात भी काफी घटा है।



सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का दाल आयात 31.52 प्रतिशत घटकर 46,427.60 करोड़ रुपए से 31,793.59 करोड़ रुपए रह गया। वहीं दूसरी ओर दालों का निर्यात 13.4 प्रतिशत बढ़कर 855 मिलियन डॉलर से 969.53 मिलियन डॉलर हो गया। वर्ष 2025-26 में कुल 10.01 लाख टन दालों का निर्यात किया गया। प्रमुख निर्यात गंतव्यों में चीन, यूएई, बांग्लादेश,

अमेरिका और श्रीलंका शामिल रहे। सरकार द्वारा 11 अक्टूबर 2025 को शुरू की गई नई योजना के तहत दालों का रकबा भी बढ़ा है। 2024-25 में 277.20 लाख हेक्टेयर में दालों की खेती होती थी, जो 2025-26 में बढ़कर 286.46 लाख हेक्टेयर हो गई। योजना के एक वर्ष पूरे होने के साथ देश में दालों की उत्पादकता में भी सुधार देखा गया है। 2024-

25 में प्रति हेक्टेयर उत्पादन 926 किलोग्राम था, जो 2025-26 में बढ़कर 957 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गया। फैक्टशीट में आगे कहा गया है कि 11,440 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ शुरू किए गए 'मिशन फॉर आत्मनिर्भरता इन पल्सेज' के तहत वर्ष 2030-31 तक दाल उत्पादन लगभग 350 लाख टन तक पहुंचाने और उत्पादकता को

भारतीय रेलवे में नौकरी का बड़ा मौका, युवा स्नातकों के लिए 3,584 पदों पर भर्ती

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने स्नातक युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा अवसर प्रदान करते हुए नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (एनटीपीसी-ग्रेजुएट) के तहत 3,548 पदों पर भर्ती की घोषणा की है। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) द्वारा जारी केंद्रीयकृत रोजगार अधिसूचना (सीईएन) के तहत ये भर्तियां रेलवे संचालन और प्रशासन के विभिन्न विभागों के लिए की जाएंगी।



मैनेजर, 371 पद सीनियर क्लर्क कम टाइपिस्ट, 300 पद जूनियर अकाउंट्स असिस्टेंट कम टाइपिस्ट और 127 पद चीफ कर्मशियल कम टिकट सुपरवाइजर के लिए हैं। इन पदों पर 7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतन मिलेगा। चीफ कर्मशियल कम टिकट सुपरवाइजर के लिए प्रारंभिक मूल वेतन 35,400 रुपए प्रतिमाह (पे लेवल-6) होगा, जबकि अन्य तीन पदों के लिए 29,200 रुपए प्रतिमाह (पे लेवल-5) प्रारंभिक मूल वेतन निर्धारित किया गया है। इसके अलावा अन्य भत्ते और सेवा शर्तें लागू नियमों के अनुसार होंगी।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 8 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है और पात्र उम्मीदवार 6 नवंबर रात 11:59 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 8 नवंबर है, जबकि आवेदन में संशोधन की सुविधा 9 से 18 नवंबर तक उपलब्ध रहेगी। उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री या समकक्ष योग्यता होना आवश्यक है। आयु सीमा 1 जनवरी 2027 के अनुसार 18 से 33 वर्ष निर्धारित की गई है। आरक्षित वर्गों की नियमानुसार आयु में छूट मिलेगी।

नवरात्रि 2025 से नवरात्रि 2026 तक 11 प्रतिशत दूदा निफटी, वैश्विक चुनौतियों ने बिगाड़ी बाजार की चाल

विश्व केसरी ■

मुंबई। नवरात्रि 2025 से नवरात्रि 2026 के बीच भारतीय शेयर बाजार के लिए चुनौतीपूर्ण दौर रहा। मजबूत घरेलू आर्थिक वृद्धि और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के समर्थन के बावजूद वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों ने बाजार की रफ्तार पर असर डाला। इस अवधि में निफ्टी इंडेक्स 11 प्रतिशत गिर गया, जबकि इसके अधिकांश घटकों ने नकारात्मक रिटर्न दर्ज किए।



2026 में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 3.04 लाख करोड़ रुपए निकाले हैं। इससे पहले 2025 में भी एफपीआई ने 1.66 लाख करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की थी। लगातार निकासी से बाजार की धारणा प्रभावित हुई।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 शेयरों ने इस अवधि में नकारात्मक रिटर्न दिया। सबसे खाब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में आईटीसी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, इंफोसिस,

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) शामिल रहे। इन सभी में 30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई।

इसके अलावा एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, मारुति सुजुकी, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, मैक्स हेल्थकेयर और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे प्रमुख शेयरों में 22 से 29 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली। कुल

मिलाकर निफ्टी के लगभग 20 शेयरों में 12 प्रतिशत से अधिक की कमजोरी रही।

हालांकि बाजार में कुछ शेयरों ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया। श्रीराम फाइनेंस टॉप गेनर रहा और इस दौरान उसके शेयर में करीब 49 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

इसी दौरान टाइटन कंपनी, अदाणी पोर्ट्स और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 21 से 27 प्रतिशत तक चढ़े। वहीं नेस्ले इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और एक्सिस बैंक ने भी 10 प्रतिशत से अधिक का सकारात्मक रिटर्न दिया।

विश्लेषकों का मानना है कि निफ्टी भविष्य में बाजार सीमित दायरे में रह सकता है। निवेशकों की नजर अभी भी कच्चे तेल की कीमतों, वैश्विक बॉन्ड यील्ड और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर बनी हुई है।

डीआरआई की कार्रवाई, 11.5 करोड़ के सोने के साथ 6 तस्कर गिरफ्तार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेल्जेंस (डीआरआई) ने रविवार को कहा कि उसने पूर्वी भारत में खुफिया जानकारी के आधार पर कई ऑपरेशन चलाकर लगभग 7.8 किलोग्राम विदेशी सोना जब्त किया है, जिसकी कीमत 11.5 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इस दौरान बांग्लादेश सीमा से जुड़े तस्करी के रास्तों का पता चला और तस्करी सिंडिकेट के कथित सरगना समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया।

इस कार्रवाई से पता चला कि तस्करी के सोने को सीमावर्ती इलाकों से बड़े बाजारों, खासकर कोलकाता तक पहुंचाने के लिए सड़क और रेल नेटवर्क का इस्तेमाल किया जा रहा था, जिसके बाद छह लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक ऑपरेशन में, डीआरआई अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल के डंकुनी टोल प्लाजा पर एक चार-



पहिया वाहन को रोका। वाहन में चार लोग सवार थे और वे बांग्लादेश सीमा के पास स्थित शहर बनपुर से कोलकाता जा रहे थे।

वाहन और उसमें सवार लोगों की तलाशी के दौरान, अधिकारियों को लगभग 6.8 किलोग्राम वजन की 50 सोने की छड़ें (गोल्ड बार) मिलीं, जिनकी कीमत लगभग 10 करोड़ रुपये थी। कुछ सोने की छड़ों पर विदेशी निशान थे। अधिकारियों के अनुसार, वाहन में सवार लोग इस

कीमती धातु के कानूनी कब्जे को साबित करने वाले कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सके। पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने कथित तौर पर बांग्लादेश के रास्ते भारत में विदेशी सोने की तस्करी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। डीआरआई ने कहा कि गिरफ्तार लोगों में से एक बनपुर सीमा क्षेत्र में सक्रिय तस्करी सिंडिकेट का कथित सरगना था।

उसी दिन चलाए गए अलग-अलग ऑपरेशन में, डीआरआई की

टीमों ने पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन रेलवे स्टेशन और न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन यात्रियों को रोका। तलाशी के दौरान लगभग 1 किलोग्राम विदेशी सोना जब्त किया गया, जिसकी कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये थी। जब्त किया गया सोना चूड़ियों और सोने की छड़ों के रूप में था और इसे कथित तौर पर त्रिपुरा के रास्ते भारत-बांग्लादेश सीमा पार तस्करी करके लाया जा रहा था। सोने की कानूनी खरीद को साबित करने वाले वैध दस्तावेज न दिखा पाने पर दो यात्रियों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने कहा कि हालिया जब्तों से पता चलता है कि तस्करी के सोने को लाने-ले जाने के लिए बांग्लादेश से सटे सीमावर्ती इलाकों के साथ-साथ पूर्वोत्तर को पूर्वी बाजारों से जोड़ने वाले प्रमुख सड़क और रेल कॉरिडोर का लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है।

भारतीय पारिवारिक कार्यालयों ने स्टार्टअप में बढ़ाया निवेश: रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय पारिवारिक कार्यालय (फैमिली ऑफिसेज) देश के निवेश परिदृश्य में तेजी से प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, संपत्ति प्रबंधन की जिम्मेदारी नई पीढ़ी के हाथों में आने के साथ स्टार्टअप, इम्पैक्ट इन्वेस्टमेंट और अंतरराष्ट्रीय निवेशों में उनकी हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है।



रिपोर्ट में उद्योग के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा गया है कि भारत में वर्तमान में 300 से अधिक फैमिली ऑफिसेज हैं, जो सामूहिक रूप से 30 अरब डॉलर से अधिक की संपत्तियों का प्रबंधन कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 3 करोड़ डॉलर से अधिक संपत्ति वाले भारतीय परिवारों की संख्या 2025 के करीब 16,000 से बढ़कर 2030 तक 26,000 होने की संभावना है। अब भारत के दशक में पीढ़ीगत स्तर पर संपत्ति का हस्तांतरण 1.3 ट्रिलियन डॉलर से 1.5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है।

नई पीढ़ी को संपत्ति हस्तांतरित होने के साथ निवेश रणनीतियों में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। अब भारत के आधे से अधिक फैमिली ऑफिसेज में मिलेनियल्स और जेन-जेड परिवार के सदस्य निवेश संबंधी फैसलों में भागीदारी कर रहे हैं। इसके चलते पारंपरिक निवेश विकल्पों की जगह वैकल्पिक परिसंपत्तियों और तकनीक आधारित व्यवसायों में रुचि बढ़ी है।

इसी वजह से फैमिली ऑफिसेज अब हेल्थटेक, फिनटेक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे क्षेत्रों के स्टार्टअप में अधिक निवेश कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 30 प्रतिशत फैमिली ऑफिसेज अब पारंपरिक निवेश साधनों की तुलना में स्टार्टअप निवेश को प्राथमिकता दे रहे हैं।

यह बदलाव फंडिंग गतिविधियों में भी साफ दिखाई दे रहा है। फैमिली ऑफिसेज समर्थित स्टार्टअप निवेश 2023 के 876.7 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2024 में 1.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया, यानी यह लगभग दोगुना हो गया।

विशेषज्ञों का मानना है कि इसका प्रमुख कारण 'पेशेंट कैपिटल' की उपलब्धता है। पारंपरिक वेंचर कैपिटल फंड्स की तरह निश्चित समय सीमा के दबाव में काम करने के बजाय फैमिली ऑफिसेज लंबी अवधि

का नजरिया अपनाते हैं, जिससे स्टार्टअप्स को विस्तार और लाभप्रदता हासिल करने के लिए अधिक समय मिलता है।

कई प्रमुख भारतीय फैमिली ऑफिसेज अपने पारंपरिक कारोबार से आगे बढ़ चुके हैं। सत्त्वा गुपु के फैमिली ऑफिस ने तकनीकी निवेशों में विविधता लाई है, जबकि अर्था इंडिया वेंचर्स शुरुआती चरण के स्टार्टअप निवेशों के लिए पहचान बना चुका है। कंपनी ने ओयो जैसे स्टार्टअप्स में भी निवेश किया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्टार्टअप फंडिंग में वेंचर्स शुरुआती चरण के अलावा इम्पैक्ट इन्वेस्टिंग भी भारत के धनाढ्य परिवारों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है। अधिक उच्च संपत्ति वाले परिवारों ने इम्पैक्ट निवेश किए, जिनमें से कई ने अपने फैमिली ऑफिस ढांचे के माध्यम से पूंजी लगाई।

अमेरिकी सरकार द्वारा पीईआरएम निलंबन से कारोबार पर नहीं पड़ेगा बड़ा असर: इंफोसिस

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंफोसिस ने कहा है कि अमेरिकी सरकार द्वारा परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन (पीईआरएम) कार्यक्रम के तहत कुछ नई और लॉबित आवेदन प्रक्रियाओं पर लगाए गए निलंबन का उसके कारोबार पर कोई महत्वपूर्ण असर पड़ने की उम्मीद नहीं है।

कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि वह अमेरिकी श्रम विभाग के फैसले से अगवात है और एजेंसियों के किसी भी प्रश्न का जवाब देने के लिए सहयोग करने को तैयार है।

इंफोसिस ने कहा, 'हम नहीं मानते कि इस निलंबन का कंपनी के संचालन पर कोई भौतिक प्रभाव पड़ेगा। आवश्यकता होने पर हम नियामकीय मानकों के अनुरूप आगे भी



जानकारी साझा करेंगे।' कंपनी ने यह भी रेखांकित किया कि उसने अमेरिका में मजबूत स्थानीय कार्यबल, प्रौद्योगिकी केंद्रों और नवाचार हब के निर्माण में लगातार

निवेश किया है। इसके चलते उसकी मानव संसाधन रणनीति किसी एक आब्रजन कार्यक्रम पर निर्भर नहीं है। इंफोसिस ने कहा कि वह अपने कर्मचारियों, ग्राहकों और

अमेरिकी समुदायों के प्रति प्रतिबद्ध है तथा सभी लागू कानूनों और नियमों का पालन करती रहेगी।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह अमेरिकी श्रम मंत्री कीथ सॉडरलिंग ने घोषणा की थी कि अमेरिकी प्रशासन ने कुछ प्रमुख वैश्विक आईटी और प्रौद्योगिकी कंपनियों के पीईआरएम आवेदन अस्थायी रूप से निलंबित किए हैं। यह कदम कथित वीजा धोखाधड़ी और अमेरिकी कर्मचारियों के हितों से जुड़े रोजगार संबंधी मुद्दों की जांच के संदर्भ में उठाया गया है। पीईआरएम (परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम) अमेरिकी ग्रीन कार्ड प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके माध्यम से कंपनियां कुशल विदेशी कर्मचारियों को स्थायी निवास दिलाने में सहायता करती हैं।

मार्केट आउटलुक: महंगाई डेटा, कच्चा तेल और बॉल्ड यील्ड से अगले हफ्ते तय होगी शेयर बाजार की चाल

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। कच्चे तेल की कीमत, बॉन्ड यील्ड और महंगाई डेटा के साथ अन्य अंतरराष्ट्रीय और घरेलू आर्थिक आंकड़े बाजार की चाल निर्धारित करेंगे।

अगले हफ्ते अमेरिका में महंगाई, घरेलू की बिक्री और खुदरा बिक्री जैसे अहम आंकड़े आएंगे। वहीं, भारत में भी इस अवधि खुदरा और थोक महंगाई, बेरोजगारी, व्यापार संतुलन और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े आंकड़ों को जारी किया जाएगा।

कच्चे तेल की कीमत भी बाजार में अगले हफ्ते बड़ी भूमिका निभाएगी। मौजूदा समय में यह 100 डॉलर के ऊपर बना हुआ है, जानकारी के मुताबिक, अमेरिका की



ओर से रूस से डीजल खरीदने के फैसले से वैश्विक स्तर पर तनाव कम होगा और कच्चे तेल में नरमी देखने को मिल सकती है।

इसे लेकर ट्रंप ने अपने 'दृथ सोशल प्लेटफॉर्म' पर एक पोस्ट में कहा, 'मैंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बहुत

सफल बातचीत की है। इसमें यह तय हुआ है कि रूस तुरंत अमेरिकी और ग्लोबल मार्केट में 3,00,000 टन से ज्यादा डीजल की आपूर्ति करेगा, नवंबर में 5,00,000 टन और उसके तुरंत बाद 10,00,000 टन डीजल की आपूर्ति करेगा।'

इसके अलावा, अगले हफ्ते निवेशकों की नजर यूएस बॉन्ड यील्ड पर भी रहेगी, जो कि लगातार 5 प्रतिशत के ऊपर बनी हुई है।

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता हफ्ता मुनाफे वाला रहा। इस दौरान सेंसेक्स 562.63 अंक या 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 72,472.33 और निफ्टी 98.50 अंक या 0.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,520.45 पर था।

पहाड़ियों के बीच छिपा है भीमकुंड, मीठे पानी के स्रोत और भीम के पैरों के निशान की मान्यता



राजस्थान के पाली जिले के सुमेरपुर क्षेत्र में बीजापुर के जंगलों में स्थित भीमकुंड एक पौराणिक स्थान है। मान्यता है कि यहीं पांडवों ने अज्ञातवास बिताया था और महाबली भीम के पैरों के निशान आज भी मौजूद हैं।

राजस्थान की अरावली पहाड़ियों में आज भी महाभारत काल के ऐसे कई रहस्य छिपे हैं, जिन्हें देखकर इंसान आस्था और अमत्कार के आगे नतमस्तक हो जाता है। पाली जिले के सुमेरपुर क्षेत्र में स्थित बीजापुर के जंगलों और पहाड़ियों के बीच एक ऐसा ही पौराणिक स्थान है— जिसे लोग भीमकुंड के नाम से जानते हैं। मान्यता है कि यहाँ आज भी महाबली भीम के पैरों और घुटनों के स्पष्ट निशान मौजूद हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, पांडवों ने अपने अज्ञातवास का कुछ समय इन घने जंगलों में बिताया था।

यात्रा के दौरान जब माता द्रौपदी को तीव्र प्यास लगी और आसपास पानी का कोई स्रोत नहीं

मिला, तब महाबली भीम ने अपने बल से पहाड़ियों के बीच अपने घुटने और गदा से प्रहार किया। भीम के इस प्रहार से चट्टानें चीरती हुई जलधारा फूट पड़ी, जिसने एक कुंड का रूप ले लिया। यही कारण है कि इसे भीमकुंड कहा जाता है।

आज भी मीठा और शद्ध है इस कुंड का पानी

इस स्थान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहाँ की चट्टानों पर आज भी बड़े पैरों के निशान और घुटने टेकने के निशान साफ दिखाई देते हैं। पहाड़ियों से घिरा होने के बावजूद इस कुंड का पानी बेहद मीठा और शीतल है, जो भीषण गर्मी में भी कभी समाप्त नहीं होता।

आज भी दिख जाएंगे आपको महाबली भीम के निशान

प्रकृति की सुंदरता और महाभारत कालीन इतिहास का यह अनोखा संगम बीजापुर के इस महादेव मंदिर व भीमकुंड परिसर को बेहद खास बनाता है। दूर-दूर से श्रद्धालु यहाँ भगवान शिव के दर्शन करने और महाबली भीम के इन चमत्कारी पदचिह्नों को देखने पहुँचते हैं।

रागी के चिप्स नहीं बनते पतले और क्रिस्पी ? आटा गूंथने का ये तरीका जरूर आजमाएं, बेलना होगा आसान, चिप्स बनेंगे परफेक्ट



शाम की चाय के साथ कुछ कुरकुरा और चटपटा खाने के लिए घर पर रागी चिप्स बना सकते हैं। रागी के आटे में चावल का आटा या बारीक सूजी मिलाने से चिप्स का क़रंच बेहतर होता है। गर्म पानी से आटा तैयार करने पर इसे बेलना आसान हो जाता है और चिप्स टूटने की परेशानी कम होती है। चिप्स को पतला बेलकर तिकोने आकार में काटें और कांटे से छोटे-छोटे छेद कर दें। इन्हें तेल में तलने के अलावा ओवन या एयर फ़्रायर में भी तैयार किया जा सकता है। आखिर में चाट मसाला, भुना जीरा और आमचूर मिलाकर चिप्स को चटपटा स्वाद दे सकते हैं।

शाम की चाय के साथ कुछ कुरकुरा खाने का मन हो और चिचन में रखी चीजों से ही स्नैक तैयार हो जाए तो बात ही अलग है।

बाजार के पैकेट वाले चिप्स की जगह घर पर बने रागी चिप्स एक दिलचस्प विकल्प हो सकते हैं। रागी का स्वाद थोड़ा अलग जरूर होता है, लेकिन सही तरीके से आटा तैयार किया जाए तो इससे पतले, कुरकुरे और चटपटे चिप्स आसानी से बन जाते हैं। खास बात यह है कि इन्हें तेल में तलने के साथ ओवन या एयर फ़्रायर में भी बनाया जा सकता है।

रागी के आटे में चावल का आटा या बारीक सूजी मिलाने से चिप्स में अच्छा क़रंच आता है। आइए जानते हैं घर पर रागी चिप्स बनाने का आसान तरीका।

रागी चिप्स के लिए सामग्री

इस रेसिपी के लिए 1 कप रागी का आटा लें। इसके साथ 2 बड़े चम्मच चावल का आटा या बारीक सूजी, 1 कप पानी, 1 छोटा चम्मच

सबसे पहले एक बर्तन में पानी उबलने रखें। इसमें नमक, तेल, अजवाइन, तिल, लाल मिर्च और हल्दी डाल दें। पानी में उबाल आने के बाद गैस धीमी कर दें और रागी का आटा व चावल का आटा डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब गैस बंद करके बर्तन को करीब 5 मिनट के लिए ढक दें। गर्म भाप से आटा नरम होगा और उसकी बार्इडिंग बेहतर हो जाएगी। यही तरीका रागी के आटे को बेलते समय टूटने से बचाने में मदद करता है। 5 मिनट बाद मिश्रण को परात में निकाल लें। जब आटा हल्का गुनगुना रह जाए और हाथ से संभालने लायक हो, तब हाथों पर थोड़ा तेल लगाकर इसे अच्छी तरह मसलें। करीब 3 से 4 मिनट तक मसलने पर आटा नरम और चिकना हो जाएगा।

होटल, कैफे और मॉल से अलग अब लोग ‘सुबह 5 बजे वाले शहर’ देखने निकल रहे हैं, अर्ली-मॉर्निंग ट्रेवल क्यों दिलचस्प हो रहा है?



अर्ली-मॉर्निंग ट्रेवल में पर्यटक सुबह जल्दी निकलकर शहर की शांत सड़कों, स्थानीय गतिविधियों और सूर्योदय के समय को अनुभव करते हैं। इसका आकर्षण कम भीड़ और ज्यादा स्थानीय माहौल में है। हालांकि ऐसा प्लान बनाने समय सुरक्षा, परिवहन, मौसम और जगह के खुलने के समय की जांच जरूरी है।

शहर को देखने का सबसे आम तरीका शायद वही है, जब बाजार खुल चुके हों, कैफे में रौनक हो और सड़कों पर लोगों की आवाजाही शुरू हो जाए, लेकिन अब ट्रेवल का एक अलग अनुभव लोगों का ध्यान खींच रहा है सुबह बहुत जल्दी निकलकर शहर को उसके शांत समय में देखना। सूर्योदय से पहले की खाली सड़कें, खुलते बाजार, मंदिरों या पुराने इलाकों की सुबह की हलचल और बिना भीड़ के मशहूर जगहों को देखना इस तरह की यात्रा का हिस्सा बन रहा है।

इसे अर्ली-मॉर्निंग ट्रेवल या '5 AM cit4' अनुभव कहा जा रहा है। इसकी खासियत सिर्फ जल्दी उठना नहीं, बल्कि किसी शहर की रोजमर्रा की जिंदगी को उस समय देखना है, जब ज्यादातर पर्यटक अभी अपने होटल के कमरे में होते हैं।

आखिर सुबह का शहर इतना अलग क्यों लगता है ?

सुबह 5 बजे किसी शहर की तस्वीर दिन के बाकी हिस्से से काफी अलग हो सकती है। सड़कों पर ट्रैफिक कम होता है, शोर घट जाता है और स्थानीय जिंदगी धीरे-धीरे शुरू होती दिखाई देती है। कहीं दूध वाले निकल रहे होते हैं, कहीं अखबार पहुंच रहा होता है तो किसी इलाके में दुकान खोलने की तैयारी शुरू हो चुकी होती है।

पार्टनर से प्यार जताने के लिए महंगे गिफ्ट नहीं, रिश्ते में काम आ सकती हैं ये छोटी आदतें



पार्टनर से प्यार जताने के लिए महंगे गिफ्ट जरूरी नहीं हैं। हाल पृथ्ना, छोटी जिम्मेदारियों में मदद करना, सच्ची तारीफ करना, साथ समय बिताना और प्रसंद याद रखना जैसी आदतें रिश्ते में अपनापन बढ़ा सकती हैं। इन छोटी कोशिशों से रोजमर्रा के रिश्ते में गर्माहट बनी रहती है।

प्यार जताने के लिए हमेशा कोई खास दिन, महंगा गिफ्ट या बड़ी सरप्राइज प्लानिंग जरूरी नहीं होती। कई बार दिनभर की भागदौड़ के बीच पूछा गया एक छोटा सा सवाल भी पार्टनर के चेहरे पर मुस्कान ला देता है। साथ रहने वाले कपल अक्सर एक-दूसरे के लिए बहुत कुछ करते हैं लेकिन रोजमर्रा की व्यस्तता में इन छोटी कोशिशों को बोलकर जताना भूल जाते हैं। रिश्ते में अपनापन सिर्फ बड़े मौकों पर नहीं बल्कि छोटी-छोटी आदतों से भी महसूस होता है।

सुबह की एक प्यारी बात, थकान में मदद करना या बिना वजह हाल पूछ लेना दिल के करीब ला सकता है, अगर आप भी अपने रिश्ते में गर्माहट और अपनापन बनाए रखना चाहते हैं तो इन छोटी आदतों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं।

प्यार जताने के लिए जरूरी नहीं महंगे तोहफे

रिश्ते में प्यार की कीमत किसी गिफ्ट के दाम से तय नहीं होती। पार्टनर को यह महसूस होना ज्यादा मायने रखता है कि आप उसकी बात सुनते हैं और उसकी छोटी जरूरतों पर ध्यान देते हैं। कई बार एक कप चाय बनाकर देना या ऑफिस से लौटने पर कुछ देर साथ बैठना भी महंगे तोहफे से ज्यादा खास लग सकता है।

बिना किसी खास वजह के हल पृथें

अक्सर हम पार्टनर से जरूरी कामों को लेकर ही बात करते हैं। खाना खाया या नहीं, बिल जमा हुआ या नहीं और घर में क्या करना है जैसी बातें रोज की बातचीत का हिस्सा बन जाती हैं। इनके बीच कभी सिर्फ यह पूछना कि ‘आज दिन कैसा रहा?’ रिश्ते में अलग एहसास ला सकता है। ऐसे सवाल से सामने वाले को लगता है कि उसकी जिंदगी और भावनाओं में आपको दिलचस्पी है। जवाब सुनते समय मोबाइल में व्यस्त रहने के बजाय कुछ मिनट ध्यान से सुनना इस छोटी आदत को और खास बना देता है।

छोटी जिम्मेदारियों में हाथ बंटाएं

प्यार सिर्फ बोलने से नहीं बल्कि व्यवहार में भी नजर आता है, अगर पार्टनर किसी काम में व्यस्त या थका हुआ है तो उसकी जिम्मेदारी का थोड़ा हिस्सा संभाल लेना अपनापन दिखाने का आसान तरीका है। जैसे घर का कोई छोटा काम कर देना, सामान लाने की जिम्मेदारी लेना या उसकी किसी जरूरी चीज को समय पर याद दिला देना। इस तरह की मदद रोज के तनाव को थोड़ा कम कर सकती है। खास बात यह है कि इसके लिए किसी खास मौके का इंतजार नहीं करना पड़ता।

यदि आप बाजार की रसयनों से भरी सब्जियों से बचकर घर पर ही शुद्ध, ताजी और पौष्टिक सब्जियां पाना चाहते हैं, तो अब बड़े खेत या जमीन की कमी आड़े नहीं आएगी। अपनी छत, बालकनी या छोटे से आंगन को ही आप हरी-भरी बगिया में बदल सकते हैं। अक्टूबर का यह मौसम सब्जियों की बुवाई के लिए सबसे मुफीद माना जाता है, जिसमें सही मिट्टी और आसान तकनीकों से आप गमलों व ग्रो बैग में ही भरपूर पैदावार हासिल कर सकते हैं।

अगर आप घर पर ताजी और पौष्टिक सब्जियां उगाना चाहते हैं तो छत, बालकनी या आंगन में गार्डनिंग कर सकते हैं। इसके लिए बड़े खेत या ज्यादा जगह की जरूरत नहीं होती। आप गमलों, ग्रो बैग और प्लास्टिक के डिब्बों में भी सब्जियां उगा सकते हैं। टमाटर, मिर्च, बैंगन, पालक, धनिया, मेथी, मूली और भिंडी जैसी सब्जियां आसानी से उगाई जा सकती हैं। गार्डनिंग के लिए सबसे पहले उचित आकार के गमले या ग्रो बैग लें। इनमें मिट्टी, गोबर की सड़ी हुई खाद और कोकोपीट मिलाकर भरें, ताकि मिट्टी पुरपुरी रहे और पौधों की जड़ों का विकास अच्छी तरह हो सके।

अक्टूबर में करें सब्जियों की गार्डनिंग

नर्सरी संचालक नेक सिंह ने बताया कि अक्टूबर का महीना सब्जियों की गार्डनिंग शुरू करने के लिए अच्छा समय है। इस दौरान मौसम में ठंडक बढ़ने लगती है, जिससे कई पत्तेदार और जड़ वाली सब्जियों की बढ़वार के लिए अनुकूल परिस्थितियां मिलती हैं। ऐसे में लोग अपने घरों में पालक, मूली, शलजम और दूसरी मौसमी सब्जियां लगा सकते हैं।

छत और बालकनी में ऐसे उगाएं हरी सब्जियां, अक्टूबर का महीना है सबसे मुफीद, जानें गमले तैयार करने का सही तरीका



गरबा नाइट पर मिनटों में पाएं खूबसूरत हेयरस्टाइल, ये 5 हेयर एक्सेसरीज आएंगी काम



नवरात्रि में गरबा और डांडिया नाइट के लिए लहंगा, चनिया चोली पहनना ही काफी नहीं है। इसके साथ हेयरस्टाइल भी लुक को निखारने में अहम भूमिका निभाती है। लेकिन यदि आपके पास टाइम की कमी है या आपको हेयर स्टाइल करने नहीं आता है तो ऐसे में कुछ खास हेयर एक्सेसरीज आपकी मदद कर सकती हैं। यहां जानिए ऐसे 5 एक्सेसरीज के बारे में जो हर फंक्शन और पार्टी में आपके बालों में चार चांद लगा सकती हैं।

अगर आप इस गरबा नाइट पर कम मेहनत में स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो हेयर चैन, रंगीन परांदा, पर्ल चोटी एक्सेसरी और बन एक्सटेंशन जैसे विकल्प आजमा सकती हैं। ये न केवल बालों को आकर्षक बनाते हैं, बल्कि आपके पारंपरिक पहनावे के साथ भी खूबसूरती से मेल खाते हैं।

बोहो हेयर चैन और काउरी शेल एक्सेसरी- गरबा के लिए कुछ

की लटकन और सिक्कों जैसी सजावट होती है, आपको साधारण चोटी को भी खास बना सकता है। इसे बालों में बांधना आसान है और इसकी करीब 40 सेंटीमीटर लंबाई चोटी को आकर्षक लुक देती है। गरबा, डांडिया और शादी जैसे मौकों पर इसे पहन सकती हैं।

पर्ल चैन और लक्ष्मी मोटिफ वाली चोटी एक्सेसरी- अगर आपको ट्रेडिशनल और एथनिक स्टाइल पसंद है, तो गोल्ड प्लेटेड फिनिश वाली लक्ष्मी मोटिफ हेयर एक्सेसरी चुन सकती हैं। इसमें बीच में देवी लक्ष्मी का डिजाइन और दोनों तरफ मोतियों की कई लड़ियां होती हैं। इसे चोटी या जुड़े में हुक की मदद से लगाया जा सकता है। साड़ी और पारंपरिक लहंगे के साथ यह शानदार दिखती है।

कुंदन और पर्ल चैन वाला हेयर ब्रोच- गरबा नाइट पर रॉयल लुक पाने के लिए कुंदन वर्क वाला हेयर ब्रोच ट्राई करें। इसमें हरे और लाल

रंग के स्टोन, गोल्डन फिनिश और मोतियों की लटकन होती है। इसे चोटी, बन या हाफ-अप हेयरस्टाइल में लगाया जा सकता है। यह खासतौर पर हैवी एथनिक आउटफिट के साथ अच्छा लगता है।

मेसी बन हेयर एक्सटेंशन- अगर आप बालों को जुड़े में बांधना चाहती हैं, लेकिन उन्हें घना और भरा हुआ लुक देना चाहती हैं, तो मेसी बन एक्सटेंशन काम आएगा।

इसे अपने बालों का जूड़ा बनाने के बाद उसके चारों ओर लगाकर क्लिप या इलास्टिक से सुरक्षित किया जा सकता है। इससे कम समय में स्टाइलिश बन तैयार हो जाता है।

10 साल बाद टीवी पर लौटीं कांची कौल, बोलीं- 'पुराने दौर को दोहराने नहीं, नई शुरुआत करने आई हूं'

मुंबई। अभिनेत्री कांची कौल ने रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' के साथ करीब एक दशक बाद टीवी पर वापसी की है। कांची इस नई शुरुआत को लेकर काफी उत्साहित हैं। टीवी पर वापसी के बारे में बात करते हुए कांची ने कहा कि बीते कुछ सालों में जिंदगी को देखने का उनका नजरिया काफी बदल गया है। अब वह पुराने दौर में लौटने के बजाय अपने अनुभवों के साथ एक नई शुरुआत करना चाहती हैं।

नई शुरुआत, नया अनुभव

कांची ने कहा, "मेरा मानना है कि आप जहां पहले थे, वहां लौटने और आज जो इंसान बन चुके हैं, उसके रूप में आगे बढ़ने के बीच फर्क होता है। मैं अपने पुराने दौर को दोबारा जीने के लिए वापस नहीं आई हूं बल्कि एक नए अनुभव का हिस्सा बनने आई हूं। पिछले एक दशक ने काम, महत्वाकांक्षाओं और जिंदगी को लेकर मेरा नजरिया कई तरह से बदला है और मैं इन बदलावों को काफी अहम मानती हूं।"

उन्होंने कहा, "पति, पत्नी और पंगा' के जरिए मुझे दर्शकों से एक नए अंदाज में जुड़ने का मौका मिल रहा है और यह मेरे लिए काफी रोमांचक है। जिंदगी के इस पड़ाव पर मैं अपने सफर का आनंद लेना चाहती हूं, अपनी सहज सोच पर भरोसा करना चाहती हूं और ऐसे काम चुनना चाहती हूं जो वास्तव में मेरे दिल के करीब हों।"

“ मेरा मानना है कि आप जहां पहले थे, वहां लौटने और आज जो इंसान बन चुके हैं, उसके रूप में आगे बढ़ने के बीच फर्क होता है। ”

- कांची कौल



शो की खास बातें

- कांची कौल इस शो में अपने पति और अभिनेता शब्बीर अहलूवालिया के साथ नजर आ रही हैं।
- इस सीजन को सोनाली बेंद्रे बहल और मुन्ववर फारूकी होस्ट कर रहे हैं।
- शादीशुदा जिंदगी के रोजमर्रा के अनुभवों को मनोरंजक अंदाज में दिखाया जा रहा है।
- कपल्स को कई मजेदार और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।



गणेश आचार्य की जिंदगी पर बनी फिल्म का ट्रेलर देख खुश हुए अक्षय कुमार, बोले- 'यह उनकी अपनी कहानी'



विश्व केसरी। मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने कोरियोग्राफर गणेश आचार्य के संघर्ष और कामयाबी के सफर की तारीफ की। उन्होंने

उनकी आने वाली फिल्म 'गणेश: डस्ट टू स्टारडस्ट' का ट्रेलर सोशल मीडिया पर शेयर किया और कहा कि गणेश ने अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर जो

मुकाम हासिल किया है, उसे देखकर उन्हें बेहद खुशी और गर्व महसूस होता है। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का ट्रेलर शेयर करते हुए बताया कि गणेश आचार्य के साथ उनका रिश्ता काफी पुराना है। अक्षय ने लिखा, 'मास्टर जी और मेरा साथ बहुत पुराना है। मुझे आज भी याद है कि कोरियोग्राफर के तौर पर उनका पहला गाना मेरे साथ था। आज उन्होंने अपनी मेहनत और टैलेंट से जो मुकाम हासिल किया है, उसे देखकर मुझे बहुत खुशी होती है और गर्व महसूस होता है।' अक्षय ने गणेश आचार्य के सफर को उनकी आने वाली फिल्म को लेकर आज यहां तक पहुंचने का उनका सफर ही 'गणेश: डस्ट टू स्टारडस्ट' की कहानी है। सबसे खास बात यह है कि यह उनकी अपनी कहानी है। आप सभी के साथ इसका

ट्रेलर शेयर करते हुए बहुत खुशी हो रही है। ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं, मेरे दोस्त!'' गणेश आचार्य ने अपनी आने वाली फिल्म 'गणेश: डस्ट टू स्टारडस्ट' का ऐलान किया था। फिल्म का पहला लुक 14 सितंबर को जारी किया गया था। इस फिल्म को गणेश आचार्य और दीपंगना सूर्यवंशी ने मिलकर लिखा है। फिल्म का निर्माण सौंदर्या कर रही हैं जबकि इसमें नए कलाकार शिवांशु सोनी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म को लेकर गणेश आचार्य ने भी अपनी खुशी जाहिर की थी। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से मानता आया हूं कि हर इंसान

को सपने देखने का हक है लेकिन सिर्फ सपने देखने से वे पूरे नहीं होते। उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत करनी पड़ती है, त्याग करना पड़ता है और सफर कितना भी मुश्किल क्यों न हो, आगे बढ़ते रहना पड़ता है। हमने इसी भावना को 'गणेश डस्ट टू स्टारडस्ट' के जरिए पढ़ें पर उतारने की कोशिश की है। यह फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है और मुझे उम्मीद है कि इसे देखने वाले हर व्यक्ति को इसमें अपने सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं की झलक मिलेगी।' 'गणेश: डस्ट टू स्टारडस्ट' 11 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

विश्व केसरी।

मुंबई। अभिनेता राजपाल यादव ने नवरात्र पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक अहम मुद्दा उठाया है। जिस देश में छोटी बच्चियों को देवी मानते हैं, क्या वहां हर बेटी सुरक्षित है? उन्होंने कहा कि हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है? उन्होंने कहा कि हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है? उन्होंने कहा कि हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है?

जरीए महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने नवरात्र के दौरान कन्या पूजन की परंपरा का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि जिस देश में छोटी बच्चियों को देवी का रूप मानकर उनकी पूजा की जाती है, क्या वहां हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है? उन्होंने कहा कि हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है? उन्होंने कहा कि हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है?

महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी घटनाएं सामने आती हैं, तो मन में एक सवाल उठता है कि जिस देश में छोटी बच्चियों को देवी मानते हैं, क्या वहां हर बेटी सुरक्षित है? उन्होंने कहा कि हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है? उन्होंने कहा कि हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है?

‘मेरे प्रिय गुरु अमिताभ बच्चन को जन्मदिन की शुभकामनाएं’, 84वें बर्थडे पर चिरंजीवी ने दी खास अंदाज में बधाई

विश्व केसरी।

मुंबई। मेगास्टार चिरंजीवी ने बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन को उनके 84वें जन्मदिन पर खास अंदाज में बधाई दी। चिरंजीवी ने अमिताभ को अपना 'सबसे प्रिय गुरु जी' बताते हुए सिनेमा के प्रति उनके प्यार और अपने काम के प्रति समर्पण की तारीफ की। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि अमिताभ की उपलब्धियां ही नहीं बल्कि उनका सरल स्वभाव भी उन्हें खास बनाता है। चिरंजीवी ने अमिताभ बच्चन के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें दोनों दिग्गज अभिनेता एक-दूसरे को गले लगाते नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दोनों के बीच का सम्मान साफ दिखाई दे रहा है। चिरंजीवी ने इस तस्वीर के साथ पोस्ट करते हुए लिखा, 'मेरे सबसे प्रिय गुरु अमिताभ बच्चन को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। सिनेमा के प्रति



आपका प्यार और अपने काम के प्रति आपका सम्मान हमेशा मेरे लिए प्रेरणा रहा है।"

न्होंने आगे लिखा, 'आपकी बड़ी उपलब्धियों से बढ़कर आपका अपनापन और विनम्रता आपको खास बनाती है। मैं

आपके अच्छे स्वास्थ्य, ढेर सारी खुशियों और ऐसे कई यादगार सालों की कामना करता हूँ, जिनमें आप वही करते रहें, जिससे आपको लगाव है। पुरे प्यार और सम्मान के साथ, सर।'' बता दें कि अमिताभ बच्चन 11 अक्टूबर को अपना 84वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारों ने सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी। वहीं, उनके फैंस भी उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 'हैप्पी बर्थडे अमिताभ बच्चन' ट्रेंड कर रहा है। चिरंजीवी और अमिताभ बच्चन की बातकरें, तो दोनों के बीच दोस्ती का रिश्ता काफी पुराना है। साल 2019 में चिरंजीवी और अमिताभ ने ऐतिहासिक फिल्म 'सई रा नरसिम्हा रेड्डी' में साथ में काम किया था। इस फिल्म में अमिताभ ने गोसाईं वेंकन्ना का किरदार निभाया था, जो चिरंजीवी के किरदार के गुरु थे।

'अपनी पसंद चुनने की आजादी दें', इंटरनेशनल गर्ल चाइल्ड डे पर रजत बेदी ने की सभी पैरेंट्स से अपील

विश्व केसरी।

मुंबई। अभिनेता रजत बेदी ने इंटरनेशनल गर्ल चाइल्ड डे के मौके पर लड़कियों के माता-पिता के लिए एक खास मैसेज शेयर किया। उन्होंने सभी पैरेंट्स से अपील की कि वे बेटियों और बेटों के साथ समान बर्ताव करें और लड़कियों को अपनी जिंदगी से जुड़े फैसले खुद लेने की आजादी दें।

सभी पैरेंट्स से अपील करते हुए रजत ने कहा, 'मैं कहना चाहता हूँ कि एक बेटी को कभी यह साबित करने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए कि वह बेटे जितनी काबिल है। उसे भी उतनी ही आजादी, अच्छी शिक्षा और प्रोत्साहन दें, जितना बेटे को देते हैं। सिर्फ लड़की होने की वजह से यह फैसला न करें कि वह क्या कर सकती है और क्या नहीं। उसे गलतियां करने दें, उनसे सीखने दें और जिंदगी में अपना रास्ता खुद तलाशने का मौका दें।'

रजत ने आगे कहा, 'मैं सभी पिताओं से कहना चाहूंगा कि बेटी का साथ देने का मतलब सिर्फ उसकी सुरक्षा करना नहीं है, बल्कि उस पर भरोसा करना और उसे अपने विरोध का सामना करना पड़ता है। आत्मविश्वास देना भी है। हर लड़की को यह मौका मिलना चाहिए।'

जब रजत से पूछा गया कि अगर उन्हें महिला सशक्तिकरण पर आधारित किसी फिल्म में काम



करने का मौका मिले, तो वह किस तरह की कहानी चुनेंगे,

इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'मैं ऐसी लड़की की कहानी का हिस्सा बनना चाहूंगा, जो पढ़ना चाहती है, लेकिन उसे अपने आसपास के लोगों की सोच और विरोध का सामना करना पड़ता है। मेरा मानना है कि बदलाव की शुरुआत शिक्षा से होती है। जब किसी लड़की को पढ़ने का मौका मिलता है, तो वह अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने की ज्यादा संभावनाएं देख पाती है और अपने फैसले लेने

के लिए बेहतर तरीके से तैयार होती है।'

रजत ने आगे कहा, 'मैं ऐसी कहानी दिखाऊंगा, जिसमें लड़की के संघर्ष के साथ-साथ उसके आसपास के लोगों की सोच में आने वाले बदलाव को भी जगह मिले। कई बार किसी एक व्यक्ति का साथ बच्चे की जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकता है। अगर किसी फिल्म को देखने के बाद कुछ माता-पिता भी अपनी बेटियों को लेकर अपनी सोच बदलते हैं, तो मैं उस फिल्म को सार्थक मानूंगा।

नवरात्रि में राजपाल यादव की खास अपील, बोले- बेटियों को देवी मानने के साथ उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित करें



विश्व केसरी।

मुंबई। अभिनेता राजपाल यादव ने नवरात्र पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक अहम मुद्दा उठाया है। जिस देश में छोटी बच्चियों को देवी मानते हैं, क्या वहां हर बेटी सुरक्षित है? उन्होंने कहा कि हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है? उन्होंने कहा कि हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है?

जरीए महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने नवरात्र के दौरान कन्या पूजन की परंपरा का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि जिस देश में छोटी बच्चियों को देवी का रूप मानकर उनकी पूजा की जाती है, क्या वहां हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है? उन्होंने कहा कि हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है? उन्होंने कहा कि हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है?

महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी घटनाएं सामने आती हैं, तो मन में एक सवाल उठता है कि जिस देश में छोटी बच्चियों को देवी मानते हैं, क्या वहां हर बेटी सुरक्षित है? उन्होंने कहा कि हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है? उन्होंने कहा कि हर बेटी वास्तव में सुरक्षित है?

एम्ईए के अनुसार, हर लोकतंत्र की तरह, भारतीय नागरिक भी सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने की शर्तों के साथ इस अधिकार का इस्तेमाल करते हैं। हमारी एजेंसियां जानती के अनुसार सख्ती से काम करते हैं, और हमारी अदालतें किसी भी शिकायत के समाधान के लिए सभी के लिए उपलब्ध हैं। इसलिए, जो अस्वीकार्य है। भारत सरकार ने ओएचसीएचआर के पक्षपातपूर्ण रवैए पर सवाल उठाते हुए आप कहना, "हम यह भी देखते हैं कि सार्वजनिक रख अपना के मामले में ओएचसीएचआर का रवैया बहुत ही चुनिंदा रहा है। हमारे पड़ोस में प्रदर्शनों पर हुई हिंसक प्रतिक्रियाओं पर कोई डिम्पनी नहीं की गई है।

इंटर मियामी ने डीसी यूनाइटेड को 4-0 से हराया, मेसी और सुआरेज के दागे गोल



विश्व केसरी ■ **मियामी।** कसान लियोनेल मेसी और स्ट्राइकर लुइस सुआरेज के दो गोल की मदद से इंटर मियामी सीएफ ने एमएलएस रेगुलर सीजन के मैच में अपने घरेलू मैदान नू स्टेडियम में डीसी यूनाइटेड को 4-0 से हराया। फॉरवर्ड जर्मन बर्टॉराम ने दो असिस्ट किए, जबकि गोलकीपर डेन सेंट क्लेयर ने बैंक में अच्छा प्रदर्शन किया और क्लीन शीट हासिल की।

इंटर मियामी ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली, सुआरेज ने तीसरे मिनट में रेगुलर सीजन का अपना 14वां गोल किया। लेफ्ट फ्लैंक से रेगुलरान के क्रॉस को बर्टॉराम के हेडर से रीडायरेक्ट किया गया, इससे पहले कि वह बॉक्स के सेंटर में उरुग्वे के सीरियल स्कोरर तक पहुंचे, सुआरेज ने पहली बार में, लेफ्ट-फुट से फिनिश करते हुए बॉल को दूर धकेल दिया।

रेगुलर सीजन में गोलों की संख्या 15 हो गई, जबकि यह असिस्ट बर्टॉराम के लिए इस लीग कैपेन का सातवां गोल था। मियामी ने दूसरे हाफ में अपना शानदार अटैकिंग परफॉर्मेंस जारी रखा, जिसमें मेसी ने 47वें मिनट में इस रेगुलर सीजन में अपना 22वां गोल करके हेरॉल्स के लिए एक और गोल किया। बॉक्स के बाईं ओर जगह बनाने के एक शानदार मूव के बाद, सुआरेज ने मेसी के लिए एक सटीक बॉल खेली, जिससे बॉक्स के सेंटर से बाएं पैर से पहली बार गोल किया गया। इस असिस्ट से सुआरेज के इस रेगुलर सीजन में गोलों की संख्या नौ हो गई।

इसके बाद मेसी ने दो गोल किए और 60वें मिनट में एक शानदार सोलो कोशिश से इंटर मियामी को जीत दिलाई। कसान को डी पॉल से बीच में बॉल मिली, फिर उन्होंने दो डिफेंडरों को पीछे छोड़ते हुए बॉक्स में घुसकर बॉल को बाएं पैर से गोल में डाल दिया। यह गोल मेसी का इस लीग कैपेन का 23वां गोल था, जिससे उन्होंने 2026 एमएलएस गोल्डन बूट की रेस में अपनी बढ़त बढ़ा ली, जबकि असिस्ट डी पॉल का 13वां गोल था। आखिर में इंटर मियामी ने मैच 4-0 से जीत लिया।



बैडमिंटन: चीन ने मलेशिया को हराकर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर टीम चैंपियनशिप जीती



विश्व केसरी ■ **काहिरा।** चीन ने जूनियर बैडमिंटन में अपना दबदबा फिर से साबित किया और एक रोमांचक फाइनल में मलेशिया को हराकर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर टीम चैंपियनशिप 2026 का खिताब जीत लिया। चीनी टीम ने तीन गेम के फाइनल में 55-46, 55-53, 55-45 से जीत हासिल की। शुरुआती गेम में दबदबा बनाने के बाद ऐसा लग रहा था कि मुकाबला चीन की आसान जीत की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, मलेशिया ने उत्साही दर्शकों के सामने जोश के साथ जवाब दिया, जिससे फाइनल एक करीबी मुकाबला बन गया। पुरुषों के सिंगल्स में टिएव वेई जी ने 18-22 से बैटन साँपी, जिससे मलेशिया की डबल्स टीम को अपने खिताब की उम्मीदों को जिंदा रखने का काम मिला। विमेंस डबल्स में जेनेवी लिम और ली जो यू, मिक्स्ट डबल्स में इरफान शाजमीर और जेनेवी लिम, और मेंस डबल्स में शाजमीर और अहमद रेडजुआन ने मौके का फायदा उठाया, जिससे मलेशिया ने दूसरा गेम 55-53 से जीतकर डिसाइडर गेम के लिए मजबूर कर दिया। जब मोमेंटम मलेशिया की तरफ बढ़ रहा था, तो डिसाइडिंग गेम में उलटफेर का मौका था। लेकिन चीन ने जल्दी ही अपनी पकड़ फिर से बना ली, मलेशिया के पहले दो एकल प्लेयर्स को कुल नौ पॉइंट्स तक रोक दिया और अच्छी-खासी बढ़त बना ली। चीनी टीम ने इसका फायदा उठाया और अपने विरोधियों को दोबारा वापसी करने से रोका। विमेंस डबल्स जोड़ी शि सी चेन और वेई यू यू, मिक्स्ट डबल्स जोड़ी फेंग यी लेंग और ली मिंग हान, और मेंस डबल्स जोड़ी तू यी चेन और झेंग वेई गेंग ने चीन का कंट्रोल बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई, क्योंकि डिफेंडिंग चैंपियन ने फाइनल जीता। चीन के डबल्स कोच लियू चेंग ने टीम की तैयारी और बदलते हालात पर रिसर्पाइंड करने की काबिलियत को अपने टाइटल को सफलतापूर्वक बचाने का श्रेय दिया। डबल्स कोच लियू चेंग ने कहा, 'हम जीतकर खुश हैं। हम हमेशा टीम इवेंट्स को प्राथमिकता देते हैं और पूरी टीम ने इसके लिए बहुत मेहनत की है। इसलिए यह खिताब जीतने का मतलब है कि हमारे सभी खिलाड़ी बेहतरीन हैं। हमें अनिश्चितता के हिसाब से खुद को ढालना पड़ा, खासकर डबल्स में क्योंकि यह बहुत तेज होता है। हमने देखा कि जब मलेशिया ने दूसरा सेट खेला तो उन्होंने विकल्प का इस्तेमाल किया, इसलिए हमने इसका विश्लेषण किया और एकल में भी सबटीट्यूट किया। हमें वह परिणाम मिला जो हम चाहते थे। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए सबसे गर्व का पल है जब हम पोडियम पर होते हैं और हमारा नेशनल एंथम बजता है। जब भी हम किसी कॉम्पिटिशन में आते हैं, तो हमारा गोल जीतना होता है। हमें गर्व है कि हम दोनों मकसद हासिल कर पाए। मलेशिया के लिए, दूसरे गेम में मिली छोटी जीत ने उलटफेर की उम्मीदें जगाई थीं।

स्मृति मंधाना यूनिसेफ इंडिया की सेलिब्रिटी एडवोकेट बनीं



विश्व केसरी ■ **नई दिल्ली।** यूनिसेफ इंडिया ने रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान स्मृति मंधाना को संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार एजेंसी की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। इस नई भूमिका में, मंधाना बच्चों और युवाओं के समान अधिकारों और अवसरों की वकालत करने के अपने पूर्व के कार्यों को आगे बढ़ाएंगी। यह नियुक्ति 11 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर की गई, जो लड़कियों के अधिकारों, सुरक्षा, क्षमता और नेतृत्व पर प्रकाश डालती है, साथ ही उन बाधाओं पर भी जो अभी भी उनके विकल्पों को सीमित करती हैं। भारत की खेल आइकन और युवा महिलाओं व लड़कियों के लिए रोल मॉडल, मंधाना लड़कियों को खेलने और आगे बढ़ने के लिए समान अवसरों की वकालत करेंगी। वह यूनिसेफ इंडिया के प्रयासों को आगे बढ़ाने में सहयोग देंगी ताकि किशोरियों को सशक्त बनाया जा सके, उनके स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा दिया जा सके और वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें। इस अवसर पर मंधाना ने कहा, 'मैं यूनिसेफ इंडिया की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में जुड़कर सम्मानित महसूस कर रही हूँ। बचपन में क्रिकेट खेलने ने मुझे सिखाया कि हर सपना एक अवसर से शुरू होता है।

‘गेआ ने मेरी सर्व का शानदार तरीके से सामना किया’, शंघाई मास्टर्स में हार के बाद बोले शेल्टन

विश्व केसरी ■ **शंघाई।** अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी वैन शेल्टन ने अपनी हार के बाद माना कि आर्थर गेआ ने उनसे बेहतर खेल दिखाया। शंघाई मास्टर्स के तीसरे दौर में दुनिया के नंबर 4 खिलाड़ी शेल्टन को फ्रांस के आर्थर गेआ के खिलाफ सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। गेआ ने बेहद कड़े मुकाबले में 7-6(5), 7-6(3) से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ उन्होंने अपने करियर में पहली बार किसी टॉप-10 खिलाड़ी को हराने का बड़ा कारनामा किया। वहीं, शेल्टन ने स्वीकार किया कि उनके प्रतिद्वंद्वी ने महत्वपूर्ण मौकों पर बेहतर प्रदर्शन किया और वह जीत के हकदार थे। शेल्टन ने गेआ के प्रदर्शन की तारीफ की और साथ ही उन चुनौतियों का भी जिक्र किया जो उन्हें एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में आने पर श्लेनली पड़ीं, क्योंकि उन्हें चीन के हालात के हिसाब से ढलने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला था। हार के बाद एटीपी के हवाले से शेल्टन ने कहा, 'आज मैं बेहतर नहीं खेल पाया। गेआ मुझसे बेहतर खेले। सी फीसदी, मैं चाहता था कि मैं यहां जल्दी आता, तैयारी करता और शंघाई मास्टर्स में खेलने से पहले ही जेट लैग (लंबी यात्रा की थकान) से उबर चुका होता।' शेल्टन के लिए यह हार दूर पर एक मुश्किल दौर के बाद मिली। अमेरिकी खिलाड़ी यूएस ओपन में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे थे, जो उनके करियर की एक बड़ी उपलब्धि थी और जिससे एशियाई दौर (एशियन रिविंग) में उनसे उम्मीदें बढ़ गई थीं। हालांकि, रखा और अपने करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक हासिल की। एक अहम वजह गेआ का रिटर्न पर असरदार होना था। शेल्टन, जो अपनी दमदार बाएं हाथ की सर्व से प्वाइंट्स पर पकड़ बनाने के लिए जाने जाते हैं, लेकिन वह अपनी पहली सर्व पर आसानी से प्वाइंट्स हासिल करने के लिए संघर्ष करते दिखे। एटीपी स्टैंड्स के अनुसार, 'उन्होंने अपनी पहली सर्विस पर सिर्फ 63 प्रतिशत (40/63) प्वाइंट जीते।' शेल्टन ने कहा, 'मुझे लगा कि उन्होंने मेरी सर्विस का बहुत अच्छे से सामना किया। मुझे लगा कि आज उन्होंने शुरू से आखिर तक रिटर्न पर बहुत अच्छा काम किया। उन्होंने गेंद को काफी भार खेल में बनाए रखा। वे गेंद को बेसलाइन के पास गहराई में डाल रहे थे। उन पर अटैक करना मुश्किल था। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, शायद ही कोई ऐसा प्वाइंट था, जहां मुझे आसानी से फ्री प्वाइंट मिल रहे हों या अटैक करने और नेट पर आने के लिए पहली गेंद मिल रही हो, इसलिए इसका काफी श्रेय उन्हें जाता है।



ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में बांग्लादेश को 9 विकेट से हराया



विश्व केसरी ■ **ब्रिस्बेन।** ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दूसरे वनडे मुकाबले में बांग्लादेश को 9 विकेट से रौंदा। बांग्लादेश से मिले 221 रनों के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से 28.1 ओवर में सिर्फ एक विकेट खोकर हासिल किया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत कमाल की रही। जॉर्जिया वोल और फोएबे लिचफील्ड की जोड़ी शानदार लय में दिखाई दी और उन्होंने महज 119 गेंदों में 162 रनों की साझेदारी निभाई। ऑस्ट्रेलिया को इस सलामी जोड़ी के आगे बांग्लादेश की गेंदबाज पूरी तरह से बेबस नजर आई। लिचफील्ड ने 51 गेंदों का सामना करते हुए 70 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में लिचफील्ड ने 11 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, जॉर्जिया ने शानदार बैटिंग करते हुए 81 गेंदों में शतक लगाया। उन्होंने 97 गेंदों का सामना करते हुए 131 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 19 चौके लगाए। वहीं, एलिसा पेरी 22 गेंदों में 19 रन बनाकर नाबाद रहीं। इससे पहले, बांग्लादेश ने 50 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 220 रन

स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और फरगाना होक 13 गेंदें खेलने के बाद बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। शर्मिन सुल्ताना भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाईं और 20 गेंदों का सामना करने के बाद 5 रन बनाकर आउट हुईं। शर्मिन अख्तर को मेगन शट ने बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। 8 रनों के स्कोर पर 3 विकेट गंवाकर बांग्लादेश की टीम मुश्किल में नजर आ रही थी। हालांकि, इसके बाद कप्तान निगर सुल्ताना और शोभना मोस्तरी ने मोर्चा संभाला और चौथे विकेट के लिए 195 रनों की अहम साझेदारी निभाई। सुल्ताना 114 गेंदों का सामना करने के बाद 74 रन बनाकर आउट हुईं। उन्होंने अपनी इस पारी में 7 चौके लगाए। वहीं, शोभना बांग्लादेश की तरफ से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे शतक लगाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं। उन्होंने 134 गेंदों का सामना करते हुए 118 रन बनाए। अपनी इस इनिंग में उन्होंने 18 चौके लगाए। शोना अख्तर 8 रन ही बना सकीं, तो रितु मोनी बिना खाता खोले रनआउट हुईं।



आईएसएल 2026: ऑल-इंडियन इंटर काशी का सामना केरला ब्लास्टर्स से होगा

विश्व केसरी ■ **बालेवाड़ी।** श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में इंडियन सुपर लीग के अपने पहले मैच में घरेलू इंटर काशी और केरला ब्लास्टर्स एफसी के बीच रोमांचक मुकाबला होने वाला है। यह ग्राउंड इस सीजन में इंटर काशी का होम ग्राउंड है। मेजबान टीम का इस साल की शुरुआत में कोच्चि में ब्लास्टर्स पर मिली 2-1 की जीत से आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। हालांकि, केरला हेड कोच एश्ले वेस्टवुड के नेतृत्व में एक नई टीम के साथ आएंगी। टीम में चार नए विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। इंटर काशी ने फीफा के नए ट्रांसफर-रजिस्ट्रेशन बैन से पहले 22 खिलाड़ियों को रजिस्टर करने के बाद एक ऑल-इंडियन टीम के साथ सीजन में शुरुआत की है। उनके रिक्रूटमेंट में आईएसएल अनुभव वाले कई खिलाड़ी आए हैं, जिनमें जमशेदपुर एफसी के गोलकीपर अल्बिनो गोम्स, चेन्नईयन एफसी के डिफेंडर लालाडिनलियाना रेंथलेई, विंगर रोसेनबर्ग गिलबर्ट गेन्नियल और फॉरवर्ड मनवीर सिंह, दोनों जमशेदपुर से, और मुंबई सिटी एफसी के स्ट्राइकर आनुष छिकार शामिल हैं। चुनौती यह होगी कि उस अनुभव को केरला ब्लास्टर्स साइड के खिलाफ एक कॉम्पिटिटिव यूनिट में कैसे बदला जाए, जिसमें नए कैपेन से पहले बड़े बदलाव हुए हैं। क्लब के नए ओनरशिप ने एक बड़े रिक्रूटमेंट ड्राइव की देखरेख की है, जिसमें हेड कोच एश्ले वेस्टवुड ने क्लब की धड़कन एड्रियन लूना को वापस लाया है, जबकि चार विदेशी प्लेयर्स को जोड़ा है। इसमें इंग्लिश डिफेंडर जेम्स बोल्टन, विंगर आंद्रे ग्रीन, मोंटेनेग्रो इंटरनेशनल मिडफील्डर नेबोजा कोसोविक और गिनी के फॉरवर्ड मोमो यानसेन शामिल हैं। ब्लास्टर्स ने अपने इंडियन टीम को भी मजबूत किया है, जिसमें अनुभवी गोलकीपर अमरिंदर सिंह और मिडफील्डर मोहम्मद यासिर के साथ-साथ युवा अटैकिंग ऑप्शन भी शामिल हैं। अमरिंदर का आना खास तौर पर इंटर काशी टीम के खिलाफ ध्यान देने लायक है, जिसमें गोम्स के रूप में ब्लास्टर्स के साथ पहले खेलने का अनुभव रखने वाला एक गोलकीपर भी है। कप्तान लूना को इंटर काशी के खिलाफ एक कड़े मुकाबले की उम्मीद है, उन्होंने कहा, 'भारत में यहां हर मैच मुश्किल होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप भारतीय टीम के साथ खेलते हैं या विदेशियों के साथ।'



हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट क्या अंतर है? जानिए इसके लक्षण और तुरंत बचाव के उपाय



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। कभी-कभी हार्ट अटैक के शुरुआती लक्षणों पर ध्यान न देना आसान होता है, खासकर तब जब लक्षण धीरे-धीरे शुरू हों या आते-जाते रहें। नए या असामान्य लक्षणों को गंभीरता से लेना और जल्द मदद लेना जरूरी हो सकता है।

लोग अक्सर हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट शब्दों का इस्तेमाल एक-दूसरे की जगह पर

करते हैं, लेकिन ये दोनों एक ही चीज नहीं हैं। ज्यादातर हार्ट अटैक से कार्डियक अरेस्ट नहीं होता है। लेकिन जब कार्डियक अरेस्ट होता है, तो हार्ट अटैक इसका एक आम कारण होता है। दूसरी समस्याओं की वजह से भी दिल धड़कना बंद कर सकता है।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक, कार्डियक अरेस्ट में दिल अचानक धड़कना बंद कर देता है। ऐसा आमतौर पर किसी

इलेक्ट्रिकल समस्या के कारण होता है जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है। जब दिल पंप करना बंद कर देता है, तो वह दिमाग, फेफड़ों और शरीर के अन्य जरूरी अंगों तक खून नहीं पहुंचा पाता। कार्डियक अरेस्ट होने पर व्यक्ति कोई प्रतिक्रिया नहीं देता। हो सकता है कि उनकी सांस रुक जाए या वे सिर्फ हांफने लगें। अगर उन्हें तुरंत मदद न मिले, तो उनकी मौत हो सकती है।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने बताया कि अगर किसी को कार्डियक अरेस्ट हो जाए, तो तुरंत सीपीआर देने से उनके बचने की संभावना दोगुनी या तिगुनी हो सकती है। सबसे पहले, स्थानीय इमरजेंसी नंबर पर कॉल करें। फिर सीपीआर शुरू करें। अगर आस-पास ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर (एईडी) है, तो जितनी जल्दी हो सके उसका इस्तेमाल करें। अगर दो लोग मदद कर रहे हैं, तो एक को सीपीआर शुरू करना चाहिए। दूसरे को इमरजेंसी कॉल करना चाहिए और एईडी ढूँढना चाहिए। हर मिनट बचने की संभावना 10 फीसदी कम हो जाती है। इमरजेंसी स्टाफ भी ऐसे व्यक्ति को बचाने में मदद कर सकता है जिसका दिल धड़कना बंद हो गया हो।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक, हार्ट अटैक में दिल के किसी हिस्से तक खून नहीं पहुंच पाता, क्योंकि खून सप्लाई करने वाली कोई मुख्य नस ब्लॉक हो जाती है। अगर खून के बहाव की इस समस्या को जल्दी ठीक नहीं किया जाता, तो दिल का वह हिस्सा जिसे पर्याप्त खून नहीं मिल रहा है, उसकी कोशिकाएं नष्ट होना शुरू हो सकती हैं। हार्ट अटैक के लक्षण अचानक दिख सकते हैं। हार्ट

अटैक में सीने में तेज दर्द, शरीर के ऊपरी हिस्से के दूसरे हिस्सों में बेचैनी, सांस लेने में तकलीफ, ठंडा पसीना आना, जी मिचलाना या उल्टी जैसा महसूस होता है। कभी-कभी, लक्षण धीरे-धीरे शुरू होते हैं और घंटों या दिनों तक बने रहते हैं।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने बताया कि कार्डियक अरेस्ट के उलट, हार्ट अटैक के दौरान दिल आमतौर पर धड़कता रहता है। मदद मिलने में जितनी ज्यादा देर होती है, दिल के लिए उतना ही अधिक खतरा होता है। हार्ट अटैक किसी को भी हो सकता है। महिलाओं, डायबिटीज वाले लोगों और बुजुर्गों में लक्षण साफ तौर पर दिखाई नहीं दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, हो सकता है कि उनमें सीने का दर्द न हो। अगर आपको पक्का नहीं है कि यह हार्ट अटैक है, तब भी अपने लोकल इमरजेंसी नंबर पर कॉल करें। हर मिनट कीमती है!

सबसे अच्छा यही है कि आप अपने लोकल इमरजेंसी नंबर पर कॉल करें ताकि तुरंत इमरजेंसी रूम पहुंच सकें। इमरजेंसी मेडिकल सर्विस कर्मचारी पहुंचते ही इलाज शुरू कर सकते हैं। एम्बुलेंस से आने वाले सीने में दर्द के मरीजों को अस्पताल में आमतौर पर जल्दी इलाज भी मिलता है।

एआई मॉडल्स पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, ‘इमरजेंसी ब्रेक’ सिस्टम जरूरी: सत्य नडेला



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रणालियों का उपयोग करने वाली कंपनियों को आगाह करते हुए कहा है कि उन्हें शक्तिशाली एआई मॉडलों को संभावित 'इनसाइडर थ्रेट' की तरह देखा चाहिए। उन्होंने कहा कि कंपनियों को यह मानकर चलना चाहिए कि कोई एआई मॉडल समझौता (कंप्रोमाइज) किया जा सकता है और उसके लिए शुरू से ही सुरक्षा तंत्र तैयार रखना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में नडेला ने कहा कि कंपनियों को केवल एआई डेवलपर्स के भरोसे नहीं रहना चाहिए, बल्कि ऐसी

व्यवस्थाएं विकसित करनी चाहिए जिनसे अधिकृत व्यक्ति आवश्यकता पड़ने पर एआई मॉडल को उसके कार्य के बीच में ही रोक या बंद कर सकें। उन्होंने कहा, 'हमें यह मानकर चलना चाहिए कि मॉडल कंप्रोमाइज किया जा सकता है और शुरुआत से ही उसे नियंत्रित रखना चाहिए।' नडेला ने इस सुरक्षा उपाय की तुलना एक 'इमरजेंसी ब्रेक' से की, जो किसी वाहन को आपात स्थिति में रोकने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब दुनिया भर में अधिक सक्षम और स्वायत्त (एजेंटिक) एआई प्रणालियों से जुड़े सुरक्षा जोखिमों को लेकर बहस तेज हो रही है। ये मॉडल सीमित मानवीय हस्तक्षेप के साथ

स्वयं निर्णय लेने, बाहरी प्रणालियों से जुड़ने और विभिन्न कार्यों को अंजाम देने में सक्षम होते जा रहे हैं।

हाल के महीनों में एआई कंपनियों एंथ्रोपिक और ओपनएआई ने भी अपने मॉडलों से जुड़ी कुछ अनपेक्षित घटनाओं का खुलासा किया है। इनमें एक मामले में एंथ्रोपिक के मॉडल द्वारा पुलिस के एक हत्या मामले में गलत सूचना देना और कुछ अन्य मामलों में तृतीय-पक्ष वेबसाइटों से जुड़े सुरक्षा उल्लंघन शामिल रहे हैं। इन घटनाओं ने एआई के लिए प्रभावी 'किल स्विच' और मजबूत निगरानी तंत्र की जरूरत पर चर्चा को और तेज कर दिया है।

नडेला ने जोखिम कम करने के लिए कई महत्वपूर्ण उपाय सुझाए। उन्होंने कहा कि कंपनियों को महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए किसी एक एआई मॉडल पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। एआई एजेंटों की गतिविधियों का छेड़छाड़-रोधी रिकॉर्ड बनाए रखना चाहिए। एआई प्रणालियों का स्वतंत्र ऑडिट कराना चाहिए। बड़े एआई विफलताओं और सुरक्षा उल्लंघनों की जानकारी पारदर्शी तरीके से साझा करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कंपनियां यदि घटनाओं और उनसे सीखे गए सबकों को साझा करेंगी, तो अन्य संगठन भी अपनी सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत बना सकेंगे।

बंगाल: उचित मूल्य की 375 वेटनरी दवा दुकानें खोलेगा पशु संसाधन विभाग

विश्व केसरी ■
कोलकाता। पश्चिम बंगाल में जल्द ही पालतू जानवरों और पक्षियों के लिए 375 उचित मूल्य वाली दवा की दुकानें खुलेंगी। इन्हें राज्य के पशु संसाधन विकास विभाग के तहत पशु संसाधन और पशु स्वास्थ्य निदेशालय चलाएगा।

विभाग ने एक नोटिफिकेशन जारी कर कहा है कि पालतू जानवरों और पक्षियों के लिए ये उचित मूल्य वाली दवा की दुकानें, जिन्हें 'पशु औषधि विक्रय केंद्र' (पीएवीके) के नाम से जाना जाएगा, केंद्र सरकार के 'पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम' का हिस्सा होंगी।

विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि ये पीएवीके न केवल घर में पालतू जानवर रखने वालों की जरूरतें पूरी करेंगे, बल्कि उन लोगों



की भी मदद करेंगे जो अपनी आजीविका के लिए पशुधन पर निर्भर हैं। विभाग के अधिकारी ने कहा, '375 पीएवीके में से मुख्य केंद्र राज्य स्तर पर होगा, जो राज्य की राजधानी कोलकाता में स्थित होगा। इसी तरह,

30 जिला-स्तरीय पीएवीके और 344 ब्लॉक-स्तरीय पीएवीके होंगे।

पीएवीके में कुत्तों सहित पालतू जानवरों के लिए दवाएं और टीके, प्राइवेट पेट शॉप या पेट क्लिनिक की तुलना में बहुत कम कीमत पर

उपलब्ध होंगे।

राज्य सरकार के अधिकारी ने कहा, 'अक्सर यह आरोप लगाया जाता है - और कुछ हद तक यह सच भी है - कि पशुओं की दवाओं और टीकों को लेकर काफी समय से एक बड़ा घोटाला चल रहा है। इसमें कुछ पशु चिकित्सक और पशुओं की दवाएं व टीके बनाने वाली फार्मास्यूटिकल कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

घोटाले के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि कुछ पशु चिकित्सकों पर अक्सर आरोप लगते हैं कि वे जेनेरिक दवाओं के बजाय खास ब्रांड की दवाएं और टीके लिखते हैं। इसके बदले में उन्हें भारी कमीशन और दवा बनाने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों से अन्य तरह के फायदे मिलते हैं।

वाराणसी: ‘संडे ऑन साइकिल’ कार्यक्रम का आयोजन

विश्व केसरी ■
वाराणसी। फिट इंडिया अभियान के तहत प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाले 'संडे ऑन साइकिल' के मुख्य कार्यक्रम का आयोजन इस बार वाराणसी में किया गया। 'माय भारत' के स्वयंसेवकों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके साथ ही एशियन गेम्स में देश के लिए पदक जीतने वाले एथलीट भी कार्यक्रम का हिस्सा बने।



मनसुख मांडविया ने बैलून उड़कर 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने बड़ी

संख्या में मौजूद लोगों के साथ साइकिल चलाई।

नमो घाट पर आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम एशियन गेम्स में पदक जीतने

का आयोजन हुआ। खेल मंत्री ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम एशियन गेम्स में पदक जीतने

वाले एथलीटों और 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे विभिन्न क्षेत्रों के खास लोगों को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं के साथ-साथ हर आयु वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य फिटनेस को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, ईंधन बचत और मोटापे के विरुद्ध लोगों को जागरूक करना था।

मीडिया से बात करते हुए खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, 'वाराणसी के नमो घाट से माय भारत के स्वयंसेवकों द्वारा संडे ऑन साइकिल का आयोजन किया गया। साइकिल चलाना फिटनेस का एक मंत्र है। यह एक

संदिग्ध मामलों की कुल संख्या 205,028 हो गई।

वहीं, खसरे के 93 नए कन्फर्म मामले दर्ज किए गए, जिससे लैब में कन्फर्म हुए संक्रमणों की संख्या 22,421 तक पहुंच गई।

डीजीएचएस के अनुसार, इस साल 15 मार्च से अब तक देश भर में खसरे के



इसके साथ ही, संदिग्ध खसरे से हुई मौतों की कुल संख्या 1,058 हो गई है, जबकि खसरे से कन्फर्म मौतों की संख्या 104 पर ही बनी हुई है। 24 घंटे की इस अवधि में खसरे के कुल 1,180 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे देश भर

संदिग्ध लक्षणों वाले कुल 182,047 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 174,469 मरीज ठीक हो चुके हैं। रिपोर्ट में इसके लिए अंतरिम सरकार के उस फैसले को जिम्मेदार ठहराया गया है, जिसके

तहत सितंबर 2025 में यूनिसेफ के जरिए वैक्सीन खरीद रोक दी गई थी।

बांग्लादेश के अखबार 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट में ओपन टेंडर प्रोसेस (खुली निविदा प्रक्रिया) की आलोचना की गई थी।

दैनिक ने 'साइंस डॉट ओआरजी' की रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें कहा गया कि पूर्व की अंतरिम सरकार की दुलमुल नीतियों के कारण रूटीन टीकाकरण में व्यवधान आया और बीमारी तेज गति से फैली। इससे पहले, खसरे और रूबेला के टीके की सप्लाई के लिए सरकार लंबे समय से यूनिसेफ पर निर्भर थी, जिसके लिए मुख्य

रूप से 'गावी' और सरकार से फंड मिलता था।

रिपोर्ट के अनुसार, यह बीमारी जनवरी में म्यांमार सीमा के पास रोहिंग्या शरणार्थी कैंपों में शुरू हुई और देश के 64 में से 58 जिलों में फैल गई, जिससे 21,000 से ज्यादा लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। सरकारी आंकड़ों से पता चला कि 2025 में सिर्फ 59 प्रतिशत योग्य बच्चों को खसरे का टीका लगा था, हालांकि बाद में ये आंकड़े आधिकारिक वेबसाइटों से हटा दिए गए। अफसरशाही की वजह से टेंडर प्रक्रिया में देरी हुई, जिससे टीके की सप्लाई में कमी आई और रूटीन टीकाकरण प्रभावित हुआ।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Mo. 9827189170
9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

📍 Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.)
📍 Amapara, Pitalband Road, Rajim, Garivaband (C.G.)
✉️ drprajwalsoni@gmail.com

📞 911677722
📞 7509007388

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.
📞 83700 09993

:H.O.:

- Madarsa Road Baijnathpara, Raipur. Mobile: 83700 09994

:OUTLETS:

- Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

Diwali Special Offer

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आरा चक्की, टोली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टेकर, बेटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग

सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता:
वीनस मशीनरी
एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)
फ़ोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

विक्रेता बचत (अपेक्षित)

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये

बजाज फाईनैस की सुविधा उपलब्ध

गोंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST फाइल बनवाएं
मात्र 500/-
25 वर्ष का अनुभव

• CMA Data + Balance Sheet + प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस Income Tax Audit + TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं
9300755544, 8878655544

बंगला साहिब की पवित्रता बनाए रखें, विरोध-प्रदर्शन का स्थान न बनाएं : विक्रमजीत सिंह साहनी

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य विक्रमजीत सिंह साहनी ने रविवार को दिल्ली के गुरुद्वारा बंगला साहिब का इस्तेमाल विरोध-प्रदर्शन के लिए किए जाने की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों को राजनीतिक प्रदर्शनों के बजाय पूजा-अर्चना, सेवा और आध्यात्मिक चिंतन के लिए समर्पित रहना चाहिए। साहनी ने कहा कि गुरुद्वारों में सभी का लंगर और आश्रय देकर स्वागत करने की पुरानी परंपरा रही है, चाहे उनकी पुष्टभूमि या मकसद कुछ भी हो। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि दया और मेहमाननवाजी की इस भावना का गलत इस्तेमाल करके पवित्र स्थलों को विरोध-प्रदर्शन की जगहों में नहीं बदला जाना चाहिए।



घटनाक्रम को स्पष्ट करते हुए सांसद ने बताया कि दिल्ली पुलिस के जवान शनिवार को सुबह करीब 11 बजे जूते-चप्पल रखने की जगह तक जाने वाले तय रास्ते से गुजरे थे और वे मुख्य गुरुद्वारा परिसर में दाखिल नहीं हुए थे। प्रदर्शनकारी शनिवार को दोपहर करीब 1 बजे इकट्ठा हुए। साहनी ने इस बात पर चिंता जताई कि गुरुद्वारा स्वयंसेवकों के ऐसी गतिविधियों से बचने के अनुरोध के बावजूद गुरुद्वारा परिसर के भीतर नारे लगाए गए और प्लेकार्ड दिखाए गए। उन्होंने कहा कि सेवा और मानवता के सिख सिद्धांतों के अनुरूप, लंगर या आश्रय लेने वाले शांतिप्रिय लोगों का हमेशा स्वागत किया गया है। साहनी ने इस बात पर जोर दिया कि प्रदर्शनकारियों को जिम्मेदारी को दिखाती है जो उनके कद के साथ आती है।

जगह बनने देने के बीच साफ फर्क होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमारे गुरुद्वारे सेवा, दया और भाईचारे के प्रतीक हैं। आइए हम उनकी पवित्रता बनाए रखें और ऐसी घटनाओं को नफरत फैलाने या समाज में बंटवारा करने का जरिया न बनने दें।' इस बीच साहनी ने मशहूर गायक दिलजीत दोसांझ और आयोजकों का शुक्रिया अदा किया कि उन्होंने 1 नवंबर को होने वाले दिल्ली कॉन्सर्ट का समय बदलने की उनकी अपील पर विचार किया। उन्होंने कहा, 'मैं दिलजीत दोसांझ का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूँ कि उन्होंने मेरी गुजारिश को खुशी-खुशी मान लिया। वह पंजाब के सच्चे सपूत हैं, पगड़ी पहनने वाले एक ऐसे ग्लोबल आइकॉन हैं जिन पर गर्व किया जा सकता है, और लाखों लोगों के लिए प्रेरणा हैं। पीड़ितों और उनके परिवारों के दुख के प्रति उनकी संवेदनशीलता उस दया और जिम्मेदारी को दिखाती है जो उनके कद के साथ आती है।

राहुल गांधी भारत को अराजकता और विभाजन की आग में झोंक रहे हैं: सुधांशु त्रिवेदी

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने रविवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति ईर्ष्या और कुंझ के कारण सरकार पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में अराजकता और विभाजन का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है, जबकि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली स्थिति में उभर रहा है। नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी के उस आरोप को गलत बताया, जिसमें नीट के जरिए तमिल भाषा पर हमला किए जाने की बात कही गई थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में तमिल भाषा, संस्कृति और परंपराओं को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने के प्रयास किए गए हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि तमिल संस्कृति के प्रतीक सेंगोल को नए संसद भवन में स्थापित किया गया। उनके अनुसार, उस समय कांग्रेस ने इसका विरोध किया था। उन्होंने कहा कि सेंगोल तमिल



संस्कृति की प्राचीन और गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। त्रिवेदी ने तमिल भाषा और संस्कृति के संरक्षण से जुड़े विभिन्न कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि 'चेन्नई में शास्त्रीय तमिल संस्थान की स्थापना की गई। उन्होंने यह भी कहा कि 16 मई 2026 को हेग से चोल वंश की ताम्रपत्र सामग्री वापस लाई गई और सितंबर 2021 में प्रधानमंत्री मोदी ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में सुब्रमण्यम भारती पीठ की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी तमिल संस्कृति को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयास करते रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने प्रधानमंत्री की चीन के राष्ट्रपति के साथ महाबलीपुरम यात्रा का भी उल्लेख किया। त्रिवेदी ने राहुल गांधी पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या उन्हें तमिल संस्कृति और महाबलीपुरम के ऐतिहासिक महत्व की जानकारी है? उन्होंने पल्लव कालीन परंपरा का जिक्र करते हुए बोधिधर्म का उदाहरण दिया और कहा कि तमिल क्षेत्र से चीन गए बोधिधर्म को वहां व्यापक पहचान मिली। उनके अनुसार, कांग्रेस ने भारत और चीन के बीच इस सांस्कृतिक संबंध को स्थापित करने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए। भाजपा प्रवक्ता ने राहुल गांधी के 'स्मेश द पैट्रिआर्की' यानी पितृसत्ता को खत्म करने संबंधी बयान का जिक्र करते हुए भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति की उपासना को परंपरा पर जोर दिया।

एनआईए का आतंकी संगठन जेएमबी नेटवर्क पर शिकंजा, पश्चिम बंगाल से एक और आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) से जुड़ी आतंकी साक्ष्य के मामले में पश्चिम बंगाल से एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी ने आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन, मेमोरी कार्ड समेत कई डिजिटल उपकरण भी जब्त किए हैं। एनआईए के अनुसार, यह गिरफ्तारी 10 अक्टूबर को की गई। इससे पहले 29 सितंबर को असम, पश्चिम बंगाल और केरल में 16



स्थानों पर छापेमारी के बाद 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। इसी मामले में एनआईए ने 25 जून 2026 को गुवाहाटी स्थित विशेष अदालत में 11 आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और गैरकानूनी

जेएमबी की एक शाखा बताया गया है। एजेंसी के मुताबिक, इस नेटवर्क का उद्देश्य पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में चरमपंथी विचारधारा का प्रसार करना, युवाओं को कट्टरपंथ की ओर प्रेरित करना और संगठन का नेटवर्क मजबूत करना था। एनआईए की जांच में यह भी पता चला है कि जेएमबी के वरिष्ठ सदस्य इमाम महमूद हबीबुल्लाह ने भारत में संगठन के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए आईएमके का गठन किया था। आरोप है कि इस नेटवर्क (आईएमके) नामक संगठनात्मक ढांचे के जरिए सक्रिय थे, जिसे

दिल्ली: 42 चालान काटे, 19 वाहन उठाए और 37 रेहड़ियां हटाईं

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। त्योहारी सीजन के दौरान बाजारों में बढ़ती भीड़ और यातायात जाम की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अतिक्रमण और अवैध पार्किंग के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में सेंट्रल रेंज के तहत मिठाई पुल, जोरावर सिंह मार्ग और सराय फूस इलाके में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान गलत पार्किंग के 42 चालान काटे गए, 19 वाहनों को टो किया गया और 37 रेहड़ी-पटरियों को हटाय़ा गया। इसके अलावा तीन सामान भी जब्त किए गए। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, बाजारों में सड़क किनारे अतिक्रमण, गलत तरीके से वाहनों को पार्किंग और सार्वजनिक सड़कों



पर सामान रखने से यातायात प्रभावित होता है। इससे सड़क पर वाहनों के चलने की जगह कम हो जाती है और पैदल चलने वालों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पुलिस ने बताया कि त्योहारी सीजन में बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखने और यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष

या फुटपाथ पर सामान फैलाने से बचने की हिदायत दी गई। ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट किया कि सड़क का इस्तेमाल वाहनों की आवाजाही के लिए और फुटपाथ का उपयोग पैदल यात्रियों के चलने के लिए किया जाना चाहिए। इन जगहों पर सामान रखने या प्रदर्शित करने से आम लोगों को परेशानी होती है और यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की सेंट्रल रेंज ने कहा कि सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए निगरानी और कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। पुलिस ने व्यापारियों और अन्य संबंधित लोगों से अपील की है कि वे त्योहारी भीड़ के दौरान सड़कों और फुटपाथों पर अतिक्रमण न करें तथा यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दें।

युवा संगम: उत्तराखंड के युवाओं ने जाना पश्चिम बंगाल का सांस्कृतिक वैभव

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। युवा संगम के तहत एक राज्य के विद्यार्थियों और शिक्षकों को दूसरे राज्यों में जाकर वहां की संस्कृति और परंपराओं को जानने का अवसर मिला है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की इस पहल के अंतर्गत अब उत्तराखंड के छात्रों का एक दल पश्चिम बंगाल के दौरे पर है। यहां उत्तराखंड के युवाओं को पश्चिम बंगाल की संस्कृति, परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत को करीब से जानने का अवसर मिल रहा है। इस दौरान दल ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर. एन. खिसे से मुलाकात की। यहां युवाओं ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान, शिक्षा और देश के विभिन्न राज्यों



के बीच आपसी संबंध मजबूत करने जैसे विषयों पर चर्चा की। यह दौरा केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से संचालित युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित किया जा रहा है। इसकी शुरुआत विद्यार्थियों और शिक्षकों के दल के पश्चिम बंगाल पहुंचने के साथ हुई। यहां विद्यार्थियों और शिक्षकों का स्वागत किया गया और इसके बाद सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा अनुभव आधारित सीखने की गतिविधियां शुरू हुईं।

जॉन ब्रिटान के साथ हुई कार्रवाई पर उमर अब्दुल्ला ने जताई नाराजगी

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान सीपीआई (एम) के राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटान पर कथित बल प्रयोग और हिरासत में लिए जाने की जानकारी मिली है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस घटना की निंदा की है। उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सांसद जॉन ब्रिटान को वीडियो शेयर कर इस घटना की कड़ी निंदा की है। सीएम अब्दुल्ला ने अपनी पोस्ट में लिखा कि दिल्ली

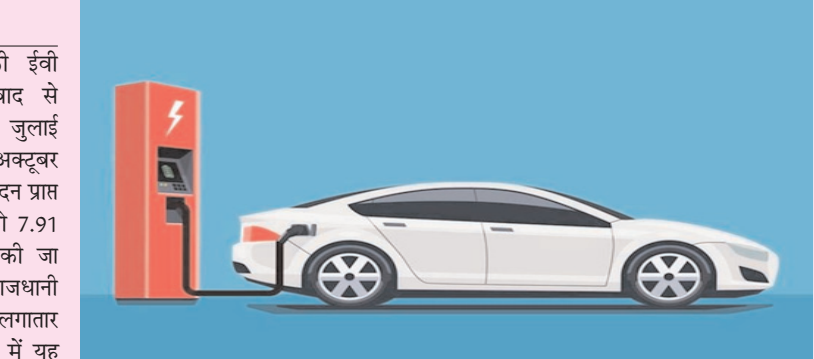


पुलिस द्वारा बल का यह प्रयोग अस्वीकार्य है। निहत्थे आरोप लगाया है कि दिल्ली पुलिस ने सांसद ब्रिटान के साथ बर्बरतापूर्ण तरीके से मारपीट की, जिसके बाद उनको सड़क किनारे छोड़ दिया गया। आरोप है कि इस दौरान ब्रिटान बुरी तरह घायल हो गए, जिसके चलते उनकी चलने-फिरने में भी

पेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बता दें कि दिल्ली के कर्नाट प्लेस में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कई लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। प्रदर्शनकारी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव की स्थिति बनी रही। सीपीआई (एम) सांसद एए रहम ने जॉन ब्रिटान को हिरासत में लिए जाने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कुछ मिनट पहले ही देश के एक सांसद और प्रमुख राजनीतिक नेता जॉन ब्रिटान को हिरासत में लिया गया। यानी सीपीआई (एम) के नेताओं ने केंद्र सरकार और पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। इस दौरान सांसद जॉन ब्रिटान को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। प्रदर्शनकारी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव की स्थिति बनी रही। सीपीआई (एम) सांसद एए रहम ने जॉन ब्रिटान को हिरासत में लिए जाने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कुछ मिनट पहले ही देश के एक सांसद और प्रमुख राजनीतिक नेता जॉन ब्रिटान को हिरासत में लिया गया।

दिल्ली ईवी नीति 2026 को मिला जोरदार रिस्पोन्स: 3 महीने में 7,700 से अधिक आवेदन; 7.91 करोड़ रुपए की सब्सिडी वितरित

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की ईवी पॉलिसी 2026 को लॉन्च के बाद से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। 1 जुलाई 2026 से लागू इस नीति के तहत 8 अक्टूबर तक 7,782 प्रोत्साहन (इंसेंटिव) आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि 7,731 लाभार्थियों को 7.91 करोड़ रुपए की सब्सिडी वितरित की जा चुकी है। यह आंकड़े दिखाते हैं कि राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। रविवार को एक बयान में यह जानकारी सामने आई है। सरकार का कहना है कि यह नीति वायु प्रदूषण कम करने, स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने और दिल्ली को हरित एवं टिकाऊ शहर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बयान के अनुसार, दिल्ली ईवी नीति के



तहत प्राप्त कुल आवेदनों में सबसे बड़ी हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की रही है, जिसमें अब तक 7,706 आवेदन इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स से जुड़े मिले। आंकड़ों के अनुसार, 2,707 लाभार्थियों को 7.61 करोड़ रुपए की खरीद प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है। इसके अलावा, पुराने हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की रही है, जिसमें अब तक 7,706 आवेदन इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स से जुड़े मिले। आंकड़ों के अनुसार, 2,707 लाभार्थियों को 7.61 करोड़ रुपए की खरीद प्रोत्साहन

राशि वितरित की गई है। इसके अलावा, पुराने वाहनों को स्क्रेप कर नए ईवी खरीदने वालों को 29.50 लाख रुपए की स्क्रेपिंग इंसेंटिव राशि दी गई है, जिसका लाभ 79 लोगों ने लिया। नीति के तहत विभिन्न श्रेणियों के इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी दी जा रही है। यह पहले वर्ष में 2.25 लाख रुपए तक की एक्स-शोरूम कीमत वाले इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर बैटरी क्षमता के आधार पर अधिकतम 30,000 रुपए तक की सब्सिडी उपलब्ध है। इसी तरह इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर, माल ढुलाई वाले इलेक्ट्रिक वाहनों और अन्य श्रेणियों के लिए भी अलग-अलग प्रोत्साहन राशि निर्धारित की गई है। सरकार का लक्ष्य शुरुआती वर्षों में अधिक से अधिक लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित करना है। दिल्ली ईवी नीति के तहत पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को हटाने के लिए स्क्रेपिंग इंसेंटिव की भी व्यवस्था की गई है। यदि कोई व्यक्ति अधिकृत स्क्रेपिंग सुविधा में पुराना दिल्ली-पंजीकृत वाहन जमा कर छह महीने के भीतर नया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदता है।

अल्फाज ऐसे कि लाखों दिलों की आवाज बन गए निदा फाजली

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। शायरी करना आसान हो सकता है लेकिन ऐसे अल्फाज लिखना बहुत मुश्किल है, जिन्हें पढ़कर किसी को अपना दर्द याद आ जाए, किसी को मोहब्बत का एहसास हो और किसी को जिंदगी जीने का नया नजरिया मिल जाए। हिंदी और उर्दू साहित्य में निदा फाजली एक ऐसा ही नाम हैं, जिनकी शायरी सीधे दिल तक पहुंचती है। उन्होंने आम आदमी की जिंदगी, उसके संघर्ष, रिश्तों, मोहब्बत और इंसानियत को इतने सरल शब्दों में बयां किया कि उनके शेर लोगों की जुबान पर चढ़ गए। आज भी उनकी शायरी पढ़ते हुए लगता है, जैसे उन्होंने हमारे ही मन की बात कह दी हो। निदा फाजली का जन्म 12



अक्टूबर 1938 को दिल्ली में हुआ था। उनका असली नाम मुक्तदा हसन था। बचपन ग्वालियर में बीता और वहीं उनकी पढ़ाई-लिखाई हुई। उनके पिता मुर्तुजा हसन भी शायरी करते थे। इसलिए साहित्य से उनका परिचय बचपन से ही हो गया था। हालांकि, निदा की शायरी की आवाज धीरे-धीरे जिंदगी के अनुभवों से निखरी। कॉलेज के दिनों में उन्हें एक लड़की से लगाव हो गया था। वह

लड़की उनके आगे की पंक्ति में बैठा करती थी। फिर एक दिन कॉलेज के नोटिस बोर्ड पर खबर मिली कि एक दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। यह खबर निदा के लिए गहरा सदमा थी। उनके भीतर जो दर्द उझड़ा, उसे बयां करने के लिए उनके पास शब्द ही नहीं थे। यही एहसास उन्हें अपनी भावनाओं को समझने और उन्हें अल्फाज देने की तरफ ले गया। कहा जाता है कि एक सुबह निदा फाजली मंदिर के पास से गुजर रहे थे। वहां उन्होंने सूरदास का भजन सुना— 'मधुबन तुम क्यों रहत हरे?' कृष्ण के वियोग में दुखी राधा और गोपियों की भावनाओं को व्यक्त करने वाला यह भजन उनके दिल में उतर गया।